।। श्री हरि शरणम् ।।

Website : www.amritdarshan.com

RNI No. MPHIN/2012/43555

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

रायसेन, सोमवार, 31 मार्च 2025 • वर्ष - 12 • अंक - 272 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

द्वितीय दिवस :
माता ब्रह्मचारिणी देवी

दधाना कपाभ्यामक्षमा-
लाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि
ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।

प्रदेश का इकलौता मंदिर जहां 9 स्वरूपों में विराजी हैं सौभाग्य और पुत्रदायिनी मां बिजासन

इंदौर ■ प्रतिनिधि

इंदौर शहर में चैत्र नवरात्रि का पर्व काफी धूमधाम से मनाया जाता है. साथ ही इंदौर में मां के नौ स्वरूपों की पिंडी रूप में पूजा की जाती है. प्रदेश का एकमात्र नौदेवी मंदिर है बिजासन माता मंदिर, यहां नवरात्रि के दौरान भक्तों का तांता लगा रहता है. शहर के देवी मंदिरों में चैत्र नवरात्र को लेकर लोगो में काफी उत्साह हैं. चैत्र नवरात्रि के पहले ही दिन मंदिरो में सुबह से ही माता रानी के भक्तों की भीड़ लगी हुई है.

बता दें कि नौ दिनों तक यहां मातारानी की पूजा की जाती है. इतना ही नहीं इंदौर में मां का कहीं पिंडी के रूप में पूजन होता है तो कहीं पर तीन बार अलग-अलग श्रृंगार किया जाता है. ऐसे में भक्तों को माता के मनोहरी रूप के दर्शन मिलते हैं.

आज हम आपको इंदौर के एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जहां माता का पिंडी स्वरूप में पूजन किया जाता है.

मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में प्राचीन मंदिरों में से एक सिद्ध मंदिर बिजासन माता का मंदिर है. जो इंदौर के एयरपोर्ट से आगे एक पहाड़ी पर बना हुआ है. इस मंदिर में देवी नौ स्वरूपों में दर्शन देती है. मान्यता है कि यह मंदिर करीब एक हजार वर्ष पुराना है. किसी वक्त यहां घना जंगल हुआ करता था किसी समय में यह स्थान तंत्र साधना के लिए उपयुक्त माना जाता था. लेकिन अब समय के साथ इस मंदिर का भी विकास हुआ और आज यहां नवरात्र के अलावा पर्व विशेष और अवकाश के दिनों में भी भक्तों की खासी भीड़ लगी रहती है.

मंदिर के पुजारी रतनवन गोस्वामी ने बताया कि यह मंदिर करीब 1000 साल पुराना है. इस बिजासन मंदिर में नौ देवी एक साथ विराजमान है और यह नौ देवी स्वयंभू भगवती है. इस मंदिर में पुराने समय में इंदौर के पहले महाराजा तुकोजीराव भ्रमण पर आए थे. उन्होंने देखा था कि एक चबूतरे पर मां विराजमान है जिसे देख उन्होंने मंदिर के निर्माण की कोशिश की, लेकिन वे दीवार बनाते थे और वह गिर जाती थी. कई बार ऐसा हुआ जिसके बाद मां भगवती ने सपने में कहा कि पहले मुझसे कुछ मन्नत मांग उसके बाद इसका निर्माण करना तो ही मंदिर बन सकेगा. इसके बाद राजा ने मन्नत मांगी और वह पूरी भी हुई. जिसके इसका निर्माण 1760 में कराया गया जो पूर्ण हो पाया.

संतान के लिए मन्नत मांगने आते हैं नवविवाहित

मंदिर परिसर के पास 12 अलग अलग मंदिर भी बने हुए है जिसमें आने वाले भक्तों को अलग-अलग मां के दर्शन होते है. मंदिर के पास एक तालाब भी है जिसकी खासियत यह है कि यह आज तक कभी सूखा नहीं है. चाहे जितनी गर्मी पड़ी हो या काफी समय तक बरसात न हुई हो. इस मंदिर में आम दिनों की तुलना में अवकाश के दिनों पर ज्यादा भीड़ रहती है और नवरात्रि में सुबह चार बजे से ही हजारों की संख्या में भक्तों का हुजूम लगना शुरू हो जाता है जिन्हें बैरीकेडिंग लगाकर दर्शन करवाना पड़ता है. बिजासन माता मंदिर की मान्यता है कि जो भी भक्त यहां पर मन्नत मांगता है वह पूरी होती है. लेकिन इस मंदिर में विशेष रूप से संतान के लिए मन्नत मांगी जाती है जो पूर्ण भी होती है. यहां नवविवाहितों को माता के दर्शन कराने जरूर लाया जाता है. कहा जाता है कि आल्हा-ऊदल ने भी मांडू के राजा को परास्त करने के लिए माता से मन्नत मांगी थी. यह प्रदेश का एकमात्र मंदिर है जहां नौ देवी स्वरूप एक जगह दर्शन देती है. जिससे इस मंदिर की विशेषता बढ़ जाती है.

मन की बात : टेक्सटाइल कचरा देश के लिए नई चुनौती : पीएम मोदी

नई दिल्ली। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को अपने रेडियो शो मन की बात के माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत में टेक्सटाइल कचरे से बढ़ती चुनौती पर जोर दिया। पीएम मोदी ने टेक्सटाइल कचरे के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि भारत इस क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए।

बता दें कि अपने रेडियो प्रसारण मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने टेक्सटाइल कचरे से जुड़ी चुनौती के बारे में लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि आप सोच रहे होंगे कि टेक्सटाइल कचरे का मुद्दा क्या है? दरअसल, यह एक बड़ी समस्या बन गई है। आजकल लोग पुराने कपड़े जल्दी फेंक देते हैं और नए खरीदने की आदत बढ़ गई है।

सीएम डॉ. यादव ने उज्जैन से की जल गंगा अभियान की शुरूआत

सूबे में जल अभियान से दूर होगी पानी की समस्या : मुख्यमंत्री

उज्जैन ■ एजेंसी

सीएम मोहन यादव ने मध्य प्रदेश की जनता को गुड़ी पड़वा और हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि आज से जल गंगा अभियान की शुरूआत की जा रही जिससे प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और निर्माण को नई दिशा मिलेगी. गुड़ी पड़वा और हिंदू नव वर्ष के शुभारंभ पर सीएम मोहन यादव ने इस पर्व के महत्व को बताते हुए कहा कि प्राकृतिक स्रोतों की सुरक्षा के लिए आज से जल गंगा अभियान शुरू किया जा रहा है . इसमें जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जलस्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा.

सीएम मोहन ने कहा कि गुड़ी पड़वा के अवसर पर हमारी परंपरा में सूर्योदय के पहले बहते हुए स्वच्छ जल में स्नान करने का विधान है. ऊषाकाल में सूर्य को प्रणाम किया जाता है. यह जलस्रोत के प्रवाह स्थल को सुरक्षित रखने का संकल्प है. प्रकृति के इस संदेश को स्वरूप प्रदान करते हुए हम प्राकृतिक स्रोतों की सुरक्षा के लिए आज से जल गंगा अभियान शुरू कर रहे हैं. इसकी शुरुआत उज्जैन के क्षिप्रा तट से होने जा रही है।

सीएम ने सूर्य को अर्घ्य देकर नववर्ष का किया स्वागत

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी अनुष्ठान मंडपम ज्योतिष अकादमी नवसंवत्सर अभिनंदन समारोह समिति और अनुष्ठान मंडपम ज्योतिष अकादमी ने प्रात: 5.30 बजे दत्त अखाड़ा शिप्रा तट पर भारतीय नववर्ष का अभिनंदन किया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम शुभारंभ हुआ। उसके बाद वैदिक विद्वानों ने मंगलाचरण किया। साधु संतों के सानिध्य में मां क्षिप्रा का पंचामृत पूजन कर सौभाग्य सामग्री अर्पित की गई। प्रात: 6.21 पर सूर्य की प्रथम किरण को अर्घ्य देकर और आदित्यहृदय स्त्रोत्र के पाठ से भगवान सूर्य को विशेष पूजन किया गया। महिलाओं की ओर से गुड़ी और धर्म ध्वज का पूजन किया। उसके बाद वही ध्वज भगवान महाकाल के शिखर पर लगाया गया। संतों के आशीर्वचन के साथ नीम एवं मिश्री का प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान आयोजन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, समिति के ज्यो. पं. चंदन श्यामनारायण व्यास, पं. नारायण उपाध्याय धर्माधिकारी, पं. वासुदेव पुरोहित के साथ बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे। इस दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से कहा कि नववर्ष प्रतिपदा का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। आज हमने सम्राट विक्रमादित्य के ध्वज का लोकार्पण भी किया है।

30 जून तक चलेगा अभियान

अभियान के बारे में विस्तार से बताते हुए सीएम यादव ने कहा कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जलस्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे. यह अभियान आज से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा. मुझे विश्वास है कि यह अभियान प्रदेश में जल संकट को खत्म करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

सीएम मोहन ने आगे बताया कि जल गंगा अभियान की शुरूआत उज्जैन के क्षिप्रा तट से होने जा रही है. इसमें जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जलस्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है. इसके अंतर्गत 1 लाख जलदूत तैयार किये जायेंगे. लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे. प्रदेश की 50 से अधिक नदियों के वॉटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे।

छिंदवाड़ा सांसद ने पीएम मोदी को दिए महुआ के बिस्किट

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में छिंदवाड़ा की महिलाओं द्वारा महुआ के फूलों से बनाए जा रहे बिस्किट और कुकीज़ के नवाचार की सराहना की। इस उल्लेख से स्थानीय महिलाओं में उत्साह है, जिन्होंने इस पहल के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।

यह उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा के सांसद विवेक बंटी साहू ने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में उन्होंने प्रधानमंत्री को महुआ के बिस्किट और फूलों से बने प्राकृतिक रंग भेंट किए थे, जो स्थानीय महिलाओं के उद्यमशीलता के प्रयासों को दर्शाते हैं। सांसद साहू ने इस भेंट के माध्यम से छिंदवाड़ा की सांस्कृतिक और आर्थिक पहल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया।

महुआ के फूल, जो परंपरागत रूप से विभिन्न उपयोगों के लिए जाने जाते हैं, अब स्थानीय महिलाओं के नवाचार से स्वास्थ्यवर्धक बिस्किट और कुकीज़ के रूप में परिवर्तित हो रहे हैं। यह पहल न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनी है, बल्कि स्थानीय संसाधनों के मूल्यवर्धन का उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में बोले डॉ. मोहन भागवत

समाज ने आरएसएस के स्वयंसेवकों को देखने-परखने के बाद स्वीकार किया है

नागपुर ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के नागपुर में एक सभा को संबोधित करते समय संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की लंबी यात्रा के दौरान समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखा, परखा उसके बाद स्वीकार किया है। इसी का नतीजा है कि तमाम बाधाओं को दूर करते हुए अब स्थिति अनुकूल है और स्वयंसेवक लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भागवत ने कहा कि संघ के दर्शन में कहा जाता है कि आत्म-विकास पर एक घंटा, जबकि समाज के विकास पर 23 घंटे खर्च करना चाहिए। यही संघ का नजरिया है और आरएसएस के तमाम प्रयास इसी सिद्धांत से प्रेरित हैं।

संघ प्रमुख भागवत ने जब यह बात कही, उस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। पीएम की मौजूदगी में भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक अपने लिए कुछ नहीं मानते, वे सिर्फ सेवा करते रहते हैं। बता दें कि इसी साल सितंबर में संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने वाले हैं। संघ की लंबी यात्रा को रेखांकित करते हुए भागवत ने कहा कि देश ने संघ के स्वयंसेवकों का काम देखा है, इसके बाद उन्हें स्वीकार किया गया है।

भागवत से पहले पीएम मोदी ने भी भारत में संघ की भूमिका को रेखांकित किया। नागपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखने के बाद कहा कि आज भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। आज भारत का युवा विश्वास से भरा हुआ है। राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत हमारे युवा आगे बढ़े चले जा रहे हैं। यही युवा 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ध्वजा थामे हुए हैं।

गुलामी की मानसिकता को तोड़ कर आगे बढ़ रहा है भारत- गौरतलब है कि राजनीतिक जीवन की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री अपनी युवावस्था में खुद भी संघ के स्वयंसेवक रह चुके हैं। आज उन्होंने इस कार्यक्रम में संघ की अहमियत का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब प्रयासों के दौरान मैं नहीं हम का ध्यान होता है, जब राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि होती है, जब नीतियों में, निर्णयों में देश के लोगों का हित ही सबसे बड़ा होता है।

संघ अमर संस्कृति का वट वृक्ष, स्वयंसेवक का जीवन निस्वार्थ

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। वे सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। बतौर प्रधानमंत्री मोदी की यह संघ मुख्यालय का पहला दौरा था। इससे पहले जुलाई 2013 में वह लोकसभा चुनाव के सिलसिले में हुई बैठक में शामिल होने नागपुर आए थे। प्रधानमंत्री ने संघ के माधव नेत्रालय के एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की स्पीच में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा की। उन्होंने संघ की तारीफ करते हुए कहा- राष्ट्रीय चेतना के लिए जो विचार 100 साल पहले संघ के रूप में बोया गया, वो आज महान वट वृक्ष के रूप में दुनिया के सामने हैं। ये आज भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को लागतार ऊर्जावान बना रहा है। स्वयंसेवक के लिए सेवा ही जीवन है। हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे हैं।

उज्जैन विक्रम यूनिवर्सिटी अब सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, सीएम को मिली डी. लिट् की उपाधि

उज्जैन ■ एजेंसी

भारतीय नववर्ष की प्रतिपदा के अवसर पर राज्यपाल और कुलाधिपति मंगुभाई पटेल की अध्यक्षता और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में विक्रम विश्वविद्यालय का 29वां दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ।

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव और हार्टफुलनेस संस्थान के संस्थापक कमलेश पटेल को विश्वविद्यालय द्वारा डी. लिट् की उपाधि से अलंकृत किया गया। इसके पश्चात वर्ष 2024 के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर 99 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, 2 शोधार्थियों को डी.लिट् एवं 70 शोधार्थियों को शोध उपाधियां प्रदान की गईं। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रम विश्व विघालय अब सम्राट विक्रमादित्य के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी शोधार्थियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी। समारोह का आयोजन विक्रम विश्व विद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार, सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल योगी उमेश नाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा, हार्टफुलनेस संस्थान हैदराबाद के संस्थापक पद्मभूषण कमलेश डी. पटेल शामिल हुए। कुलाधिपति एवं राज्यपाल पटेल ने इस अवसर पर कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर अत्यधिक आनंद का अनुभव हो रहा है।

बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे राज्यपाल मंगू भाई पटेल

उज्जैन ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल रविवार उज्जैन प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन एवं पूजन-अर्चन करने पहुंचे। वहां उन्होंने बाबा महाकाल का पूजन करने के साथ ही नंदी हॉल में बैठकर उनका आशीर्वाद भी लिया। बाबा महाकाल के दर्शन के दौरान वे पूर्ण रूप से भक्ति में लीन नजर आए।

उन्होंने माथा टेककर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया और नंदी जी के कानों में अपनी मनोकामना भी प्रकट की। इस दौरान पूजन पुजारी आकाश शर्मा द्वारा संपन्न करवाया गया, जबकि श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने राज्यपाल पटेल का स्वागत कर उन्हें स्मृतिचिह्न भेंट किया। राज्यपाल मंगूभाई पटेल के साथ आज अभिनेता बिंदु दारा सिंह भी बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे। वे सुबह भस्म आरती में शामिल हुए और बाबा महाकाल के दिव्य दर्शन का लाभ लिया।

महापुरूषों की गौरव गाथाओं का संकलन होगा उज्जैन के वीर भारत संग्रहालय में

उज्जैन ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में रविवार को कोठी महल पर युगयुगीन भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता की महागाथा का वर्णन करने वाले वीर भारत संग्रहालय का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अर्जुनराम मेघवाल भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि उज्जैन का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। हर कल्प में उज्जयिनी का अपना इतिहास रहा है। प्राचीन भारत के वीर महापुरूषों की गौरव गाथा की जानकारी इस संग्रहालय में प्रदान की जाएगी। संग्रहालय का निर्माण भव्य स्तर पर किया जाएगा। प्राचीन काल की सभी प्रमुख घटनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। संग्रहालय का निर्माण लगभग 20 करोड़ रूपए की लागत से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आवश्यकता पडने पर और धन राशि भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें अपनी विरासत पर गर्व करने का एक और अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी ओर से संग्रहालय के निर्माण हेतु शुभकामनाँ दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिलासपुर में 33 हजार 700 करोड़ के प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया

कांग्रेस को पीएम ने जमकर कोसा, आदिवासियों तक नहीं पहुंचने दिया विकास

बिलासपुर ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर पहुंचे। यहां उन्होंने 33 हजार 700 करोड़ के प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर में जनसभा को संबोधित किया। लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि विकास के लिए बजट के साथ-साथ एक नियत भी जरूरी है। अगर कांग्रेस की तरह मन और मस्तिष्क में बेईमानी भरी हो तो बड़े से बड़े खजाने भी खाली हो जाते हैं। यही स्थिति हमने कांग्रेस के शासन के दौरान देखी है। इस कारण आदिवासियों तक विकास नहीं पहुंच पाया। अपने संबोधन में पीएम ने विकास कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि जन-जन तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए वह तेजी से अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के तीन लाख गरीब परिवार अपने नए घर में प्रवेश कर रहे हैं। यहां उन्हें लाभार्थियों से मिलने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने महसूस किया कि नया घर मिलने के बाद गरीब परिवार अपनी खुशी नहीं रोक पा रहे थे।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज पहला नवरात्रि है और छत्तीसगढ़ तो माता महामाया की धरती है। यह माता कौशल्या का मायका भी है। ऐसे में मातृशक्ति को समर्पित ये नौ दिन छत्तीसगढ़ के लिए बहुत विशेष रहते हैं और मेरा सौभाग्य है कि नवरात्रि के पहले दिन ही मैं यहां पहुंचा हूं।

तस्वीर भी बदल रही और तकदीर भी

हम आदिवासियों के विकास के लिए भी विशेष अभियान चला रहे हैं। हमने आपके लिए धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान शुरु किया है। आदिवासियों में भी अति पिछड़ी आदिवासी जनजातियां होती हैं। ऐसे पिछड़े आदिवासियों के लिए पीएम जनमन योजना बनाई है। अब छग की तस्वीर भी बदल रही है और तकदीर भी बदल रही है। छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां शत प्रतिशत रेल नेटवर्क बिजली से चलने लगा है। पीएम मोदी ने कहा कि थोड़ी देर पहले 33, 700 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है।

एमपी के अन्य धार्मिक नगरों में कल से होगी शराबबंदी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विक्रम संवत चैत्र प्रतिपदा नववर्ष पर पावन पुनीत अवंतिका में देश भर से शपथ अनुष्ठान पर्व में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत है। उज्जैन में भगवान श्री महावीर स्वामी ने तपस्या की है। तपस्या का पथ सही होने पर शपथ सफल होती है। मानव जीवन संक्षिप्त समय का है, इसलिए जितना भी समय है, उसे हम परमार्थ के कार्य और सभी जीवों की सेवा में लगाना चाहिए। परमार्थ के कार्य कर मानव महापुरुष हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन में जैन समाज के शपथ अनुष्ठान पर्व में शामिल हुए।

हिंदू नव वर्ष आदिकाल से चली आ रही परंपरा है

आज हमारी युवा पीढ़ी को अंग्रेजी हैप्पी न्यू ईयर नहीं हिंदू नव वर्ष का अध्ययन कराना है: मंत्री विजय शाह

खंडवा, निप्र। गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव द्वारा पूरे प्रदेश भर में विक्रमादित्य महोत्सव कार्यक्रम आयोजित कर नव वर्ष का एक अच्छा संदेश देने का सफल प्रयास किया गया, महाकाल की नगरी भगवान श्री कृष्ण का शिक्षा शिक्षस्थली, विक्रमादित्य की जन्मस्थली उज्जैन में जन्म लेने वाले मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को ईश्वर का ही आशीर्वाद है जिन्होंने हमारे सारे धार्मिक त्योहारों को शासकीय रूप में भी मानने का निर्णय लेकर युवा पीढ़ी को देश की धर्म और संस्कृति का एक अच्छा संदेश दिया है यह बात प्रदेश के जनजाति कल्याण मंत्री डॉक्टर कुंवर विजय शाह ने किशोर भवन में आयोजित विक्रमादित्य महोत्सव कार्यक्रम के पश्चात पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि मध्य प्रदेश में मध्यप्रधदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ .विजय शाह ने हिंदू नववर्ष को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए इसकी व्याख्या शानदार तरीके से की । उन्होंने प्रखर

वक्ता जैसे सम्राट विक्रमादित्य, डॉ मोहन यादव और उज्जैन को जोड़ा, वह विजय शाह की वाकपटुता को झलकाता है। मंत्री श्री शाह ने कहा कि अंग्रेजों के छुपे गए नए वर्षों को भूलकर हमे विक्रम संवत के नए वर्षों को अपनाना है और हमारे युवा पीढ़ी को भी 31 न्यू ईयर नहीं गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष को धार्मिक उत्साह के साथ मनाना है मध्यप्रदेश के आदिम जाति कल्याण मंत्री विजय शाह के राजनीति के तरीकों में लगातार निखार आता जा रहा है। उनके काम करने के तरीके और शब्दों का चयन खंडवा में देखने को मिला। विजय शाह ने गुड़ी पड़वा पर एक आयोजन में उज्जैन की व्याख्या शानदार तरीके से की।

प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि हिंदू नववर्ष और विक्रम संवत पर श्री शाह ने कहा कि हिंदू जीवन पद्धति अनादिकाल से चली आ रही है। मध्य प्रदेश का भी सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी उज्जैन से आते हैं। भगवान महाकाल, सम्राट विक्रमादित्य और विक्रम संवत का उल्लेख वेदों और पुराणों में भी है।अंग्रेजी नववर्ष गुलामी का प्रतीक अंग्रेजी नववर्ष को श्री शाह ने गुलामी मानसिकता बताते हुए कहा कि समृद्ध इतिहास इसका गवाह है कि अक्षांश और देशांत रेखाएं उज्जैन में ही मिलती हैं।

यहां गणित, भूगोल और विज्ञान के आविष्कार व गणना से उज्जैन भरपूर रहा है। गुड़ी पड़वा के समय ही ईद, होली, फसलें, पलाश के फूल भी प्रकृति का वरदान है। समय की गणना अंग्रेज़ों से पहले उज्जैन में ही हुई थी। अंग्रेजों के हजारों साल पहले यह खोज की जा चुकी थी। इस अवसर पर मंत्री श्री शाह के साथ महापौर अमृता अमर यादव, विधायक कंचन मुकेश तनवे, जिला पंचायत अध्यक्ष की पिंकी वानखेडे सुनील जैन उपस्थित थे।

हिन्दू नववर्ष, वैश्य दिवस गुड़ी पड़वा पर वैश्य महासम्मेलन

सभी सदस्यों को तिलक कर निकाली रैली

नर्मदापुरम, निप्र। आज हिन्दू नववर्ष एवं वैश्य दिवस गुड़ी पड़वा पर वैश्य महासम्मेलन के संस्थापक उमाशंकर गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल के मंशानुसार नर्मदापुरम शाखा ने स्थानीय सेठानी घाट पर रंगोली सजाई व दीपक लगाकर सभी को तिलक लगा कर स्वागत किया। केसरी झंडा फहराकर रैली निकाली गई। आयोजन में प्राचीन नर्मदा मंदिर के पंडित डॉ. गोपाल प्रसाद खड्डर सम्मभागीय अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री अजित सेठी, महिला सम्मभागीय अध्यक्ष एवं खेल प्रकोष्ठ की प्रदेश प्रभारी नीरजा फौजदार, जिला अध्यक्ष उषा अग्रवाल, नगर अध्यक्ष शारदा जैन, सकल जैन समाज के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र जैन, मुकेश मालवीय, आर एल जैन, पवन जैन, मनोज जैन, विक्रम खण्डेलवाल, मनोज गुप्ता, आशा खण्डेलवाल, सुषमा गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, भावना चावरा, अनीता आर एल जैन, गायत्री अग्रवाल, भारती, अनीता अरुण जैन, रेखा अग्रवाल, सरोज गुप्ता, साक्षी फौजदार आदि उपस्थित थी, सभी ने बहुत उत्साह पूर्वक हिन्दू नववर्ष का स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण क्षेत्रो में पहुँचकर नववर्ष की बधाई व शुभकामनाएं दी..

खण्डवा, निप्र। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कल्याणगंज खण्डवा विद्यालय में रविवार को हिन्दू नववर्ष (नवसंवत्सर) हर वर्ष की तरह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर पर विद्यालय में गुड़ी बांधकर पूजन किया गया,मंडली के द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी हुआ साथ ही नगर में व ग्रामीण क्षेत्रो में पहुँचकर आचार्य दीदियों के द्वारा नागरिकों को उनके ललाट पर तिलक लगाकर बधाई व शुभकामनाएं दी ।इस अवसर पर संस्था प्राचार्य श्रीमती शोभा तोमर दीदी सहित प्रधानाचार्य व आचार्य दीदी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल ने सौंपा बाल कल्याण समिति को नवजात

खंडवा, निप्र। नवजात बालक बालिकाओं के लिए दादाजी की नगरी खंडवा उनके नए जीवन के लिए लगातार प्रेरणा बन रहा है, नववर्ष पर अस्पताल एस एन सी यू वार्ड में खुशी की लहर गूंजी जब परिसर मे गुड़ी पडवा के पावन पर्व पर नवजात शिशु का मंत्रो उच्चारण के साथ पं निखलेश जैन ने नामकरण किया, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि जिसका कोई नहीं उसका परमात्मा होता है और दादाजी की नगरी में इस प्रकार के नवजात शिशुयो की रक्षा सुरक्षा कर उन्हें नए जीवन के लिए दंपतियों को सौंपने के लिए यह शहर एक पहचान बन चुका है, न्यायपीठ बाल कल्याण समिति अध्यक्ष प्रवीण शर्मा डा. कृष्णा वास्कल्ले, और किंजल जैन ने मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ ओ पी जुगतावत के मार्गदर्शन में नवजात शिशु को न्यायपीठ सदस्य स्वप्निल जैन, रुचि पाटिल, कविता पटेल, अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के सानिध्य मे सुर्पद किया, और न्यायपीठ बाल कल्याण समिति खंडवा कोरम ने न्यायिक दायित्व निभाने के साथ ही सामाजिक दायित्व का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नवजात शिशु को उसके उज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय के सहयोग से स्वयं जाकर किलकारी शिशु गृह मे प्रवेश दिलाया और शिशु गृह को सौंपा।

नांदेड़ ह निजामुद्दीन ट्रेन की खंडवा में ठहराव सुविधा मिली

खण्डवा। मध्य रेल क्षेत्रीय समिति सदस्य मनोज सोनी, प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा हुजूर साहेब नांदेड़ से निजामुद्दीन के बीच समय समय पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए यह ट्रेन पिछले कई वर्षों से चलाई जाती रही है। लेकिन इस ट्रेन का खंडवा ठहराव नहीं दिया गया था। इसको लेकर खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने रेल मंत्री और दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद के महाप्रबंधक को पत्र प्रेषित किए थे। जिसमें दो ट्रेनें नांदेड़ जम्मू तवी हमसफर और नांदेड़ निजामुद्दीन हमसफर साप्ताहिक ट्रेनों के ठहराव खंडवा देने की मांग की जाती रही थी। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि सांसद की मांग पर एक वर्ष पूर्व ट्रेन संख्या 12751/52 नांदेड़ जम्मू तवी का ठहराव जारी कर दिया था। अब 5 अप्रैल से 29 जून तक से 13 फेरो के साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 07621/22 नांदेड़ ह निजामुद्दीन ट्रेन को खंडवा स्टेशन पर भी ठहराव दे दिया गया है। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार माना है। ट्रेन संख्या 07621 नांदेड़ से प्रति शनिवार 5 अप्रैल से 28 जून तक सुबह 8.45 बजे रवाना होकर खंडवा रात्रि 8.55 बजे पहुंचकर ह निजामुद्दीन के लिए प्रस्थान करेंगी।

बच्चों को धर्म और आध्यात्म का ज्ञान जरूरी है: पं. ललित किशोरजी

बीड़/मुंदी, निप्र। मूंदी में समाजसेवी लक्ष्मीचंद्र बारड के द्वारा किसान मोहल्ले में भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिदिन महिलाएं पुरुष बच्चे आमजान कथा का श्रवण कर रहे हैं भागवत कथा के दौरान रविवार को महामंडलेश्वर विवेकानंद पूरी जी का आगमन हुआ।

मूंदी में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस में हरदा से पधारे परमपूज्य पण्डित ललित किशोरजी दधीचि ने श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा भक्तो को श्रवण करवाई। उन्होने कहा कि बच्चों को धर्म और आध्यात्म का ज्ञान जरूरी है, श्रीकृष्ण की भक्ति से ही मुक्ति मिलती है।श्रोताओं को मोहमाया से दूर रहकर श्रीकृष्ण की भक्ति का मार्ग अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस संसार में सब कुछ नश्वर है। केवल श्रीकृष्ण ही अनादि और अनंत हैं।

कथा में महामंडलेश्वर स्वामीजी श्री विवेकानंद पूरी जी का भी आगमन हुआ तथा उनके श्रीमुख से भी भक्तो ने आशीर्वचन प्राप्त किए। चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस तथा नववर्ष के शुभारंभ होने पर सबको शुभकामनाए प्रेषित की तथा भक्तो ने दर्शनों का पुण्यलाभ प्राप्त किया। महामंडलेश्वर ने आशीष वचन देते हुए लोगों को अपने माता-पिता की सेवा करने की सलाह दी।

महामंडलेश्वर जी ने बताया कि बचपन में मिला धार्मिक ज्ञान जीवन भर साथ रहता है। इसलिए माता-पिता को बच्चों को धर्म और आध्यात्म का ज्ञान अवश्य देना चाहिए

नव वर्ष का वास्तविक वैज्ञानिक तथ्य आरोग्यता: रंगनाथचार्य

उज्जैन, निप्र। नव वर्ष का जो वास्तविक वैज्ञानिक तथ्य सुख है आरोग्यता आरोग्य प्रदान करने वाले हमारे सूर्य की प्रथम किरण से प्रारंभ होता है और प्रकृति भी इस वर्ष को मानती है इस नव वर्ष में पूरी प्रकृति के जितने भी वृक्ष है पौधे हैं उन सब पर नवीनता दिखाई देती है पौधों में सुंदर पुष्प आ जाते हैं प्रकृति भी हमे नववर्ष बनाने की प्रेरणा देती है श्री हरसिद्धि भक्त मंडल के कार्यकर्ताओं ने आज से 50 वर्ष पूर्व विक्रम नव संवत्सर छोटे रूप में मनाने का हर वर्ष प्रयास किया आज वह नव संवत्सर संपूर्ण उज्जैन में नहीं मध्य प्रदेश पूरे देश में मनाया जा रहा है श्री हरसिद्धि भक्त मंडल प्रेरणा स्रोत का कार्य कर रही है यह उद्बोधन श्री रंगनाथचार्य जी द्वारा विक्रमादित्य

सभागृह में श्री हरसिद्धि भक्त मंडल द्वारा आयोजित विक्रम संवत्सर 2082 मिलनसमारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए विशेष अतिथि के रूप में डॉ विशाल शुक्ल जी पणिनी संस्कृत विद्यालय श्री मती भारती वर्मा ज्योतिष आचार्य मौजूद रहे अतिथियों द्वारा विक्रमादित्य सभा गृह में स्थापित विक्रमादित्य का पूजन किया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत मंडल के अध्यक्ष संतोष राव जाधव सचिव सुनील वर्मा प्रवक्ता वीरेंद्र शर्मा जगदीश चंद्र शर्मा राजेश नागर राजेश अखंड दशरथ गोयल अवधेश माथुर श्याम गुरु त्रिवेदी विनय नामदेव सत्यनारायण तोनगरिया ने किया कार्यक्रम में पत्रकार एवं हरसिद्धि मंदिर पुरोहित श्री रामचंद्र गिरी का स्वागत पंडित अभिषेक दुबे ने किया हरसिद्धि भक्त मंडल द्वारा प्रतिवर्ष विक्रमादित्य नवरत्न सम्मान के अंतर्गत वराह मिहिर सम्मान श्रीमती भारती वर्मा ज्योतिषचार्य को स्मृति चिन्ह प्रदान कर अतिथियों द्वारा किया एवं शहरी रसिद्धि भक्त मंडल विक्रम नव संवत्सर2082 चैत्र प्रतिपदा मिनी कैलेंडर का लोकार्पण अतिथियों एवं भक्त मंडल के पदाधिकारी द्वारा किया गया इस अवसर पर संचालक शिवनारायण चौबे राजेंद्र जोशी रमेश दुबे गोपाल व्यास श्रीमती वर्षा जोशी अर्चना ज्ञानी कल्पना नायक आदेश पांचाल आदि मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन ज्ञानेश्वर दुबे ने किया एवं आभार भक्त मंडल सदस्य डॉ.अर्चना शुक्ला ने माना

खुटपल गांव की बोरिंग सूखने पर ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों ने किया चक्का जाम बड़ी संख्या में ग्रामीण हुये एकत्रित

खंडवा/मुंदी, निप्र। खंडवा जनपद के अंतर्गत आने वाले ग्राम खुटपल मे रविवार को ग्रामीणों ने पेयजल को लेकर हंगामा कर चक्का जाम कर दिया ।बताया जाता है कि ग्राम के किसी अन्य बोरवेल के कारण ग्राम के सरकारी बोरवेल का जलस्तर निचे चला गया। जिससे ग्रामीणों के सामने पेयजल का संकट खड़ा हो गया। गुसाए ग्रामीणों ने रविवार को हंगामा कर दिया और चक्का जाम कर दिया।

पेयजल कि समस्या के निराकरण के लिए ग्रामीणों कि और से प्रशासन से निराकरण करने के लिए मांग कि गई ।ग्राम के सरकारी बोरवेल मे पानी नहीं आने कि

जानकारी लगते ही बड़ी संख्या मे ग्रामीण एकत्रित हो गए और पेयजल कि समस्या का निराकरण निकालने कि मांग करने लगेगा। देखते ही देखते बड़ी संख्या मे लोग जमा हो गए।

सरपंच राहुल मंडवाल ने बताया कि गर्मी के चलते सरकारी ट्यूबवेल का जलस्तर कुछ हद तक निचे चले गया है ।हालाकि पेयजल कि ग्रामीणों को किसी प्रकार कि दिक्कत नहीं आएगी। नया ट्यूबवेल करवा दिया है।

जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक द्वारा आदर्श ग्राम में किया भ्रमण

खंडवा/जावर, निप्र। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद खंडवा के विकासखण्ड खंडवा के ग्राम अटूट भिकारी ग्राम पंचायत भवन में बैठक कर ग्रामीणों से चर्चा करते हुए। आदर्श ग्राम जानकारी ली गई। सभी नवांकुर संस्थाओं ने अपने अपने आदर्श ग्राम की कार्ययोजना बताई। ग्रामीणो ने भी अपने विचार रखे। नारायण फरकले ने बताया कि जन अभियान परिषद् के कार्यपालक निदेशक डॉ बकुल लाड़ ने गांव को आदर्श ग्राम बनाने हेतु संस्कार संस्कृति, प्रर्यावरण, एवं स्वास्थ्य शिक्षा की उचित व्यवस्था हो। ग्राम के लोग गांव में रहें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें ।समय समय पर आपस में गांव के विकास पर चिंतन करें। नशे से दूर रहें। गांव का भ्रमण करते हुए संस्कार केंद्र का भ्रमण किया। बच्चों से भी वार्तालाप करते हुए संस्कार केंद्र में बच्चों को पढ़ने के लिए कहा। बच्चों ने भी उत्कृष्ट जवाब दिया। उन्होंने आदर्श ग्राम में कई आयामों को सम्मिलित भी किया जायेगा। लल्लू सिंह सोलंकी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया धनपाल सिंह सोलंकी ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जिला समन्वयक जगदीश पटेल, सभी विकासखंड के विकास खण्ड समन्वयक, नवांकुर संस्थाओं के पदाधिकारियों, मां नर्मदा सामाजिक सेवा समिति अटूट भिकारी,विकास खंड छैगांव माखन लोक रंग सामाजिक शोध संस्थान से अजय भलराय, नाथूराम मालवीय शिक्षा समिति से मुकेश मालवीय, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति जावर से नारायण फरकले,उदय एकता सामाजिक विकास कल्याण समिति से रामकुमार वर्मा, नानाखेड़ा रैयत सोशल वेलफेयर फाउण्डेशन भरत लोवंशी,संत सिंगाजी सेवा उत्थान समिति जलवा से राकेश मालवीय सहित सरपंच जागेश्वर फूलमाली, उपसरपंच धर्मेंद्रराज तोमर, ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पंधाना विधायक छाया मोरे ने किया प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार का भूमि पूजन

खंडवा/,पंधाना, निप्र। जनपद पंचायत पंधाना के ग्राम पंचायत घाटीखास में शनिवार को 300 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य का भूमि पूजन किया गया। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि यह कार्य जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है। भूमि पूजन कार्यक्रम में पंधाना विधायक छाया मोरे ने भाग लिया और क्षेत्र में जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। इसके साथ ही विधायक छाया मोरे ने ग्राम पंचायत घाटीखास में 5 लाख 80 हजार रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण भी किया। इस सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी और विकास कार्यों को गति मिलेगी। इसके अलावा, बड़े महादेव में भी एक अन्य बावड़ी के जीर्णोद्धार के लिए भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष फकीरचंद कुशवाह, ग्राम पंचायत सरपंच डिग्रीलाल शिंदे, जनपद पंचायत सीईओ सुरेश टेमने, जयपाल सिंह गौड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे, विधायक छाया मोरे ने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण और जल स्रोतों का पुनर्जीवन सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण में सहयोग करने की अपील की और क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया।

सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन

विक्रमोत्सव में बताया सूर्य उपासना का महत्व, सीएम के निर्देश पर नववर्ष में हुआ आयोजन

इंदौर, निप्र। इंदौर में विक्रमोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन में मंत्री तुलसी सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्ग?व ने गांधी हाल में हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा के अवसर पर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस आयोजन में सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन किया। इसमें उनकी वीरता, न्यायप्रियता और सांस्कृतिक उत्थान में उनके योगदान को दर्शाया गया। नाटक ने दर्शकों को ऐतिहासिक गौरव से ओत-प्रोत कर दिया। रंगरूपिया थिएटर के प्रसुन्न सोनी और उनकी टीम ने सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और गौरव गाथा पर आधारित नाटक का मंचन किया।

नाटक में सम्राट विक्रमादित्य की वीरता, न्यायप्रियता और सांस्कृतिक उत्थान में उनके योगदान को दर्शाया गया।

नाटक में सम्राट विक्रमादित्य की वीरता, न्यायप्रियता और सांस्कृतिक उत्थान में उनके योगदान को दर्शाया गया।

इस मौके पर मंत्री तुलसी सिलावट ने सभी को नववर्ष प्रतिपदा की शुभकामना दी और कहा कि मुख्यमंत्री के प्रगति, विकास, संस्कृति, आस्था को लेकर संकल्प को दृष्टिगत रखते हुए आज पूरे प्रदेश में गुड़ी पड़वा पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। महापौर ने कहा सीएम डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में विक्रमोत्सव के तहत कोटि सूर्योपासना का आयोजन किया गया। इस मौके पर भारतीय संस्कृति में सूर्योपासना के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि सम्राट विक्रमादित्य ने जो विक्रम संवत की शुरुआत की थी वह देश नहीं दुनिया में भी आज भी माना जाता है, जिसके आधार पर भारत की भौगोलिक स्थिति के अनुरूप संचालित पंचांग एवं संस्कृति को समझने का काम किया है।

इस प्रोग्राम में विधायक महेंद्र हार्डिया, गोलू शुक्ला, कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, महापौर परिषद के सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया, निरंजन सिंह चौहान, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर सहित स्कूली छात्र-छात्राएं और शिक्षक उपस्थित थे।

श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर में श्री राम जन्मोत्सव आज से

सीवनी मालवा। प्राचीन श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर रामगंज बुधवारा चौक खंडवा में श्री राम जन्म महोत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम किए जाएंगे ।श्री केसरी नंदन हनुमान मंडल द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि श्री राम जन्म महोत्सव गुड़ी पड़वा से श्री रामनवमी तक मनाया जाएगा ।राम लला की मूर्ति स्थापना कर उत्सव मनाया जा रहा है ।इस पावन महा उत्सव के अंतर्गत मंदिर प्रांगण में भगवान श्री राम राजा रामचंद्र के रूप में राज दरबार में विराजमान होंगे, साथ ही साथ भगवान की लीला का चित्रण झांकी के माध्यम से किया जाएगा। समाजसेवी कमल नागपाल के अनुसार उत्सव के आयोजन इस प्रकार हैं दिनांक 30 मार्च रविवार शाम 7.30 बजे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा स्थापना एवं भोग होगा। एक अप्रैल गणगौर भजन संध्या रात्रि 8-00 बजे से होगी। 5 अप्रैल सुंदर कांड का पाठ होगा, वहीं 6 अप्रैल को प्रभु श्री राम लला जन्म एवं महा आरती दोपहर 12-00 बजे से होगी, शाम 4-00 बजे से श्री राम रथ यात्रा का भव्य आयोजन होगा।

एटीएम बदलकर खरीदी करने वाला ठग 29 एटीएम कार्ड

02 सोने की अंगूठी, आई-फोन एवं स्कूटी के साथ पुलिस किया गिरफ्तार

नर्मदापुरम, निप्र। आज पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नर्मदापुरम श पराग सैनी के निर्देशन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा एटीएम बदलकर सराफा से खरीदी करने वाला ठग की गिरफ्तारी करने में सफलता प्राप्त की है। दिनांक 03/03/25 को फरियादिया अलशिफा खान पिता अशफाख खान उम्र 23 वर्ष नि. अकबरी मस्जिद के पास नर्मदापुरम ने दिनांक 02/03/25 को फरियादा उसके एसबीआई पैसे निकालने के लिए पुष्पक लाज मेन

रोड पर स्थित एसबीआई एटीएम मशीन से पैसे निकालने गयी थी, जो पैसे नहीं निकलने पर, एटीएम के पास अंजान व्यक्ति ने फरियादिया से बोला की मेडम में पैसे निकाल देता हूँ। उसी दौरान उक्त अज्ञात व्यक्ति ने फरियादिया का एटीएम बदल कर एटीएम से निकाल गया । घटना के करीबन 10 मिनट बाद फरियादिया के पास एटीएम से लिंकड मोबाइल नंबर पर शॉपिंग के मैसेज आए, जिस पर फैरियादिया द्वारा उसके पास मौजूद एटीएम कार्ड चेक किया तब फरियादिया को ज्ञात हुआ कि उक्त अज्ञात व्यक्ति ने फरियादिया से उसका एटीएम बदल लिया है एवं फरियादिया के एटीएम से 40,000/- रु नगद निकाल लिए एवं 50,337/- रु की शॉपिंग की गई। फरियादिया द्वारा उक्त पटना की रिपोर्ट करने पर थाना कोतवाली नर्मदापुरम में अपराध क्रमांक 160/25 धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता का कायम कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान दिनांक 28/03/25 को मुखबिर सूचना प्राप्त हुथी कि उक्त हुलिया का व्यक्ति के संबंध में सूचना दी गई, सूचना पर तत्काल मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर पुलिस टीम को रवाना किया गया, पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा एवं तलाशी लेने पर उक्त व्यक्ति से 29 विभिन्न बैंक के एटीएम कार्ड, 02 सोने की अंगूठी, 01 आई-फोन एवं घटना में प्रयुक्त सफ़ेद रंग की बिना नंबर की ड्डष्ह्लद्ब1ड्ड को जप्त कर नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम विनोद पिता डालचंद गौतम उम्र 37 वर्ष नि. तिलक वार्ड रेल्वे स्टेशन के पास थाना छपारा जिला सिवनी म.प्र. का होना बताया, जिसे पुलिस हिरासत में लेकर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण की विवेचना जारी है।

करोड़ों की जमीन विवाद पर हत्या: 3 पकड़ाए

इंदौर, निप्र। कनाड़िया में किसान परिवार की 8 बीघा जमीन को लेकर हत्या की घटना सामने आई है। यह जमीन चार भाइयों और दो बहनों के हिस्से में थी। इसे चार लोगों को खेती के लिए दिया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने इस पर अपना मालिकाना हक जताया। इस विवाद को लेकर बाबूलाल और अन्य परिजनों ने कलेक्टर से शिकायत भी की थी।

दो दिन पहले किसान का शव खेत में पड़ा मिला। पुलिस ने जांच की तो मामला हत्या का निकला। इस संबंध में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में यह सामने आया कि समझौता न करने पर बाबूलाल की हत्या कर दी गई।

कनाडिया थाना क्षेत्र के सालीगाम में स्थित खेत की मेड़ पर 27 मार्च को बडियाकीमा निवासी बाबूलाल उर्फ गब्बर परमार का शव मिला। पुलिस ने शव को एमवाय अस्पताल भेजा और बाद में मृतक की पहचान होने पर पोस्टमॉर्टम कराया।

जांच में पता चला कि 8 बीघा पुश्तैनी जमीन बाबूलाल के पिता के नाम पर थी, जिसमें उसके भाई हेमसिंह, फूलचंद, ठाकर सिंह और दो बहनों के साथ उसका भी हिस्सा था। यह जमीन मानसिंह परिहार, घनश्याम परिहार और लालचंद हिरासत को दी गई थी, लेकिन उन्होंने इसका सौदा अनूप नामक बिल्डर से कर लिया था।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बाबूलाल के रिश्तेदार विक्रम पुत्र प्रभुलाल मालवीय और मुकेश पुत्र रतनसिंह मडलाई उसे रास्ते में मिले थे और बाद में छोड़कर चले गए थे। फिर तीन अन्य आरोपियों ने उसे रास्ते में रोका, धमकाया और मारपीट की, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई।

35 लाख दे रहे थे आरोपी,डेढ़ करोड थी डिमांड: हत्या के पीछे जमीन के सौदे का विवाद था। आरोपियों ने बाबूलाल के पिता से यह जमीन अपने नाम कराई थी, लेकिन बाबूलाल ने कलेक्टर और अन्य अधिकारियों से इसकी शिकायत की थी। वह लगातार इस सौदे का विरोध कर रहा था। आरोपी उसे 35 लाख रुपए देने को तैयार थे, लेकिन बाबूलाल डेढ़ करोड़ रुपए की मांग कर रहा था। इस विवाद के चलते आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या कर दी।

संक्षिप्त समाचार

युवती के घर में घुसकर की छेड़छाड़, केस दर्ज

भोपाल। महिला थाना पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर मनचले के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक 25 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह निजी कंपनी में नौकरी करती है। करीब तीन साल पहले उसकी कॉलेज दोस्त के माध्यम से जितेन्द्र अहिरवार से दोस्ती हुई थी। जितेन्द्र से उसकी मोबाइल पर बातचीत होती थी। थोड़े समय बाद युवती को पता चला कि जितेन्द्र शराब पीने का आदी है, और आपराधिक प्रवृत्ति का है। इसके बाद युवती ने उससे दुरियां बनाते हुए बातचीत करनी बंद कर दी। इससे गुस्साया मनचला जितेन्द्र उसे लगातार कॉल कर परेशान करने लगा। पीड़िता ने जब उसका कॉल रिसीव नहीं किया तब 15 जनवरी को आरोपी ने पीड़िता की मां को कॉल कर धमकाते हुए कहा कि तुम्हारी बेटी से मैंने शादी कर ली है, और वह मेरी पत्नी है। उसकी शादी कहीं और नहीं होने दूंगा। इसके बाद घबराये परिजनों ने युवती को गांव भेज दिया। 28 मार्च को पीड़िता अशोका गार्डन में अपने कमरे पर सामान लेने गई थी। इसकी भनक लगते ही आरोपी जितेन्द्र वहां पहुंच गया और बुरी नीयत से उसके साथ अशलील छेड़छाड़ करने लगा। आरोपी ने धमकी दी की यदि उसने उसके साथ शादी नहीं की तो वो उसकी पुरानी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर उसे और उसके परिवार को समाज में बदनाम देगा। आखिरकार तंग आकर पीड़िता थाने जा पहुंची उसकी शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में न्यू मार्केट से दंपत्ति को लिया हिरासत में

भोपाल। राजधानी भोपाल के न्यू मार्केट थाना इलाके से शनिवार की शाम को मुंबई से आई पुलिस पार्टी ने एक दंपती को हिरासत में लिया है। सूत्रो की मानी जाये तो करोड़ों रूपए की साइबर ठगी के एक मामले में मुंबई पुलिस को उन दोनो की तलाश थी। उनकी तलाश में जुटी मुंबई पुलिस उनकी लोकेशन ट्रेस करती हुई भोपाल पहुंची थी। यहां क्राइम ब्रांच को इसकी सूचना दी इसके बाद भोपाल क्राइम ब्रांच टीम की मदद से दोनों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के मुताबिक सुधांशु नाम के व्यक्ति व उसकी पत्नी को हिरासत में दिया गया है। भोपाल क्राइम ब्रांच अफसरो का कहना है कि मुंबई क्राइम ब्रांच टीम ने भोपाल आकर दो लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि अभी इस बात की जानकारी नहीं दी गई है, उन्हें किस प्रकरण में उनकी तलाश थी।

सहकारी समितियों के चुनाव, बारह साल बाद साढ़े चार हजार पैक्स के चुनाव

भोपाल। मप्र में वर्षों से भंग पड़ी प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियों (पैक्स) के चुनाव की कवायद शुरू हो गई है। मई से इसकी शुरुआत होगी, जो सितंबर तक चलेगी। इनके चुनाव निपटने के बाद जिला सहकारी बैंकों के चुनाव करवाए जाएंगे। प्रदेश की 4523 पैक्स में चुनाव ड्यू हैं। पैक्स के चुनाव काफी समय से लंबित हैं। अधिकतर सहकारी समितियों का कार्यकाल मार्च 2018 में खत्म हो चुका है। वहां पहले अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को ही कमान सौंप दी गई थी। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के दौरान कांग्रेस ने इस पर आपत्ति की, तो वहां सहकारिता विभाग ने अपने प्रशासक बैठा दिए। पहले विधानसभा और बाद में लोकसभा चुनाव के कारण इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाए गए।

हिंदू नव वर्ष के मौके पर राज्य सरकार ने अपनी 8.50 करोड़ जनता को दिया महंगाई का तोहफा

बिजली मारेगी करंट...रजिस्ट्री निकालेगी दम

भोपाल ■ निस

हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा के मौके पर राज्य सरकार के द्वारा प्रदेश की जनता को महंगाई का तोहफा दिया है। मप्र की करीब 8.50 करोड़ आबादी को नए वित्तीय वर्ष के पहले महीने में ही महंगाई का झटका लगने वाला है। एक तरफ मप्र विद्युत नियामक आयोग के द्वारा बिजली के वर्तमान दर को 3.46 प्रतिशत बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। वहीं मप्र के 55 जिलों में 60 हजार स्थानों पर एक अप्रैल से घर, मकान, फार्म हाउस और खेती की जमीन खरीदना महंगा हो जाएगा। यानी नए वित्तीय वर्ष में जहां बिजली करंट मारेगी, वहीं जमीन, मकान, दुकान की रजिस्ट्री दम निकालेगी।

महाराष्ट्र व कर्नाटक ने आम उपभोक्ताओं के लिए बिजली सस्ती की है। हाल ही में दोनों राज्यों ने नया टैरिफ प्लान जारी किया, जिसमें 50 पैसे से लेकर 2.50 रुपए तक की कटौती की है। वहीं मप्र विद्युत नियामक आयोग के द्वारा जारी किए गए आदेश में विद्युत कंपनियों के 7.52 प्रतिशत की टैरिफ वृद्धि के प्रस्ताव के विरूद्ध 3.46 प्रतिशत वृद्धि की मंजूरी दी गई है। समस्त निम्नदाब उपभोक्ताओं एवं मौसमी उच्चदाब उपभोक्ताओं को बड़ी राहत न्यूनतम प्रभार समाप्त कर दी गई है। अब उपभोक्ताओं को कोई मीटरिंग प्रभार नहीं देना होगा। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को टैरिफ में छूट देते हुए सोलर अवधि में ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। नियामक आयोग के द्वारा जारी किए गए आदेश में उच्चदाब उपभोक्ताओं को रात्रिकालीन उपभोग पर छूट आंशिक संशोधन के साथ यथावत रखी गई है। ऊर्जा प्रभार में माह जून से सितम्बर तक 10 प्रतिशत एवं शेष माहों में 7.50 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। उच्च दाब उपभोक्ताओं के लिए केडब्ल्यूएच बिलिंग यथावत रखे गए हैं। उच्चदाब-अति उच्चदाब उपभोक्ताओं को छूट व प्रोत्साहन की व्यवस्था जारी रखने का ऐलान किया गया है। प्रीपेड उपभोक्ताओं को भी छूट की व्यवस्था जारी रहेगी। ऑनलाइन भुगतान के लिए भी छूट प्रोत्साहन की व्यवस्था जारी रहेगी। पावर फैक्टर व लोड फैक्टर प्रोत्साहन की व्यवस्था जारी रहेगी। हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन देकर प्रमाणीकरण हेतु हरित ऊर्जा टैरिफ में कमी की गई है। नियामक आयोग के द्वारा जारी किए गए आदेश में विद्युत वितरण कंपनियों के लिए शोध एवं विकास फंड की व्यवस्था रखी गई है इससे तकनीकी हस्तक्षेप, संचालन दक्षता में सुधार एवं लागत में बचत का अध्ययन हो सकेगा। बिजली वितरण कंपनियों को उपभोक्ता सेवाओं में बेहतरी के निर्देश देते हुए अब उपभोक्ता सेवा में खामी पर क्षतिपूर्ति का भुगतान होगा।

पीक ऑवर में महंगी हुई बिजली: राजधानी भोपाल में बिजली की नई दर शनिवार रात तय हो गई। महीने में 50 यूनिट तक बिजली जलाने वालों को 18 पैसे तो 150 यूनिट तक खपत करने पर 26 पैसे प्रति यूनिट महंगी पड़ेगी। बिजली कंपनी ने औसत 7.52 प्रतिशत दर वृद्धि की मांग की थी। आयोग ने निम्न और मौसमी उच्च दाब पर राहत देते हुए न्यूनतम प्रभार खत्म किया। मीटरिंग प्रभार नहीं देना होगा। स्मार्ट मीटर वालों को सोलर अवधि में ऊर्जा प्रभार में 20त्न छूट मिलेगी। पीक ऑवर में महंगी बिजली की शुरुआत कर दी गई है। अभी 10 किलोवाट से अधिक भार पर लागू होगी। निम्न श्रेणी के घरेलू व सामान्य जल प्रदाय, सडक़-बत्ती, एचवी-6 श्रेणी के उपभोक्ता को टाइम ऑफ डे टैरिफ में लाया गया है। प्रीपेड उपभोक्ता की छूट आयोग ने बरकरार रखी है। बिजली कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 58,744 करोड़ रुपए की मांग की थी। आयोग ने 57,732.6 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

जमीन खरीदना महंगा

मप्र के 55 जिलों में 60 हजार स्थानों पर एक अप्रैल से घर, मकान, फार्म हाउस और खेती की जमीन खरीदना महंगा हो जाएगा। सभी जिलों से कलेक्टर गाइडलाइन के प्रस्तावों को लेकर शनिवार को केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड ने बैठक रखी। इसमें बोर्ड के अध्यक्ष और महानिरीक्षक पंजीयन अमित तोमर ने चर्चा की और प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर सहित सभी जिलों में संपत्ति के दामों में पांच से 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो जाएगी। बता दें कि इस पर सभी जिलों में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से निकाली गई सबसे अधिक दामों पर होने वाली रजिस्ट्रियों को आधार बनाकर जमीनों के दाम बढ़ाए गए हैं।

समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण सुनिश्चित करें: खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल, निप्र। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मौसम विभाग द्वारा प्रदेश में आगामी दिनों असामयिक वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। अतः रबी विपणन वर्ष 2025-26 में अभी तक उपार्जित गेहूँ का परिवहन एवं भण्डारण सुनिश्चित करें। इस तरह के प्रयास करें कि किसी भी उपार्जन केन्द्र पर असामयिक वर्षा से गेहूँ भीगना नहीं चाहिए।

7 लाख मीट्रिक टन से अधिक का गेहूँ उपार्जन: मंत्री राजपूत ने कहा है कि अभी तक 7 लाख 98 हजार 461 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें से 6 लाख 96 हजार 625 मीट्रिक टन उपार्जित गेहूँ का परिवहन एवं भण्डारण किया जा चुका है। शेष मात्रा 1 लाख 1 हजार 836 मीट्रिक टन गेहूँ का परिवहन एवं भण्डारण अति शीघ्र करवायें।

कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि उपार्जन केन्द्रों पर उपलब्ध गेहूँ का परिवहन कर गोदामों में सुरक्षित भण्डारण के लिये जरूरी हो तो अन्य परिवहनकर्ताओं के ट्रकों को इस कार्य में लगाएं। गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों पर खुले में भण्डारित गेहूँ को समितियों के माध्यम से गोदामों में भण्डारण सुनिश्चित करें। उपार्जन केन्द्रों पर गेहूँ की स्टेक लगाकर पक्के प्लेटफार्म पर भण्डारित करायें और उसे तिरपाल से कवर करवायें। नियुक्त नोडल अधिकारी अपने-अपने केन्द्र पर उपस्थित रहकर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

महापौर राय व निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने दी ईद-उल-फितर की हार्दिक बधाई

भोपाल, निप्र। महापौर श्रीमती मालती राय व नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी तथा नेता प्रतिपक्ष श्रीमती शबिस्ता आसिफ ज़की, महापौर परिषद के सदस्यों व पार्षदगण ने शहर के नागरिकों को ईद-उल-फितर की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

ईद-उल-फितर की बधाई एवं शुभकामना देने वालों में महापौर परिषद के सदस्य राजेश हिंगोरानी, रविन्द्र यती, मनोज राठौर, जगदीश यादव, आर.के.सिंह बघेल, आनंद अग्रवाल श्रीमती सुषमा बावीसा, जीतेन्द्र शुक्ला, अशोक वाणी, श्रीमती छाया ठाकुर एवं पार्षदगण लक्ष्मण राजपूत, श्रीमती कुसुम चतुर्वेदी, श्रीमती करिश्मा विकास मीना, अशोक मारन, श्रीमती ज्योति यादव, श्रीमती प्रिंयका अनिल मिश्रा, श्रीमती रेहाना सुल्तान, श्रीमती नाहिद सादबिन खालिद, श्रीमती सरोज हरिओम आसेरी, श्रीमती अनीता मेवालाल कनर्जी, देवेन्द्र भार्गव, श्रीमती शीबा मसूद अली, शैलेष साहू, मोहम्मद सरवर, श्रीमती शीतल रवि वर्मा, राजू कुशवाह, वसीम उददीन, श्रीमती पूजा शर्मा, श्रीमती विनीता विकास सोनी, समर हुजूर, श्रीमती लईका रफीक कुरैशी, श्रीमती राजमनी उईके, श्रीमती वीनू मोनू सक्सेना, देवांशु कंसाना, प्रवीण सक्सेना, श्रीमती बृजुला सचान, श्रीमती आरती राजू अनेजा, पप्पू विलास घाड़गे, सुशीरीन खान, गीता प्रसाद माली, श्रीमती वंदना कुशवाह, श्रीमती गौरी नितिन पाठक, श्रीमती मर्सरत बाबू मस्तान, डॉ. रेहान सिद्दीकी, अजीज उददीन, श्रीमती नसीम गफूर, विमलेश सिंह ठाकुर, श्रीमती शिखा मोनू गोहल, योगेन्द्र सिंह गुड्डू चैहान, गिरजा राजेश खटीक, अरविंद वर्मा, बाबूलाल यादव, श्रीमती स्नेहलता भगवत सिंह रघुवंशी, श्रीमती शीला रामबाबू पाटीदार, प्रताप बारे, श्रीमती अर्चना परमार, नीरज सिंह, सुरेन्द्र बाड़ीका, राकेश यादव, श्रीमती अनीता प्रमोद शुक्रवारे, बी.शक्ति राव, श्रीमती मधु शिवनानी, राजेश चैकसे, शिवलाल मकोरिया, श्रीमती शिरोमणि विनोद शर्मा, जीत राजपूत, श्रीमती ममता मनोज विश्वकर्मा, श्रीमती उर्मिला मौर्य, सूर्यकान्त गुप्ता, कुमारी श्रद्धा सुधीर दुबे, विकास पटेल, राजू राठौर, श्रीमती शकुन सिंह, श्रीमती रीता विश्वकर्मा, श्रीकान्त राय लक्की, दानिश खान, मो. रियाज, श्रीमती अंजू राजपूत बब्लेश, श्रीमती सुनीता गुड्डू भदौरिया, श्रीमती बबीता डोंगरे, श्रीमती ज्योति मिश्रा, श्रीमती शोभना वीरेन्द्र मारण, श्रीमती रूमा वीरेन्द्र राजपूत सम्मिलित है।

एम्स भोपाल का यूपी एएसएसओपीआईसीओएन

2026 में मन और हृदय कल्याण कार्यशाला में अग्रणी योगदान

भोपाल, निप्र। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में यूपी एएसएसओपीआईसीओएन 2026 के दौरान सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा में एक प्रभावशाली माइंड एंड हार्ट वेलनेस वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समन्वय डॉ. ऋचा श्रीवास्तव, आयोजन सचिव द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इसमें एम्स भोपाल के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. वरुण मल्होत्रा और एम्स भटिंडा की डॉ. रजति राजेंद्रन जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने सहभागिता की और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया। इस कार्यशाला में प्रार्थना, आसन, मंत्रोच्चार, मार्गदर्शित ध्यान, विजुअलाइज़ेशन और हर्टफुलनेस सेशन जैसी वैज्ञानिक रूप से

प्रमाणित विधियों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में वृद्धि, गहरी शांति, भावनात्मक संतुलन और आंतरिक आनंद व शांति का अनुभव किया।

इस कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, इस तरह की कार्यशालाएं प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के संयोजन का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। ये सत्र मानसिक सशक्तिकरण और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, जिससे लोगों का संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर होता है। विशेषज्ञों ने प्रार्थना के विज्ञान पर प्रकाश डालते हुए इसके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया। इसके अलावा, हार्ट रेट वेरिएबिलिटी, डिफॉल्ट मोड नेटवर्क और डिप्रेशन, एंग्जायटी और तनाव में कमी लाने पर किए गए शोध विषयों पर भी गहन चर्चा की गई। इससे प्रतिभागियों को इन तकनीकों के न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल प्रभावों की व्यापक जानकारी मिली। कार्यशाला के अंत में लॉ ऑफ सक्सेस पुस्तिकाएं वितरित की गईं, जिससे प्रतिभागियों को व्यक्तिगत विकास और निरंतर कल्याण के लिए व्यावहारिक उपकरण प्राप्त हुए। यह कार्यशाला मानसिक और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान को जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रतिभागी इस कार्यक्रम से न केवल तरोताजा होकर लौटे, बल्कि उन्होंने अपने भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए अमूल्य ज्ञान और तकनीकों को भी आत्मसात किया।

मीटिंग से पहले दी जाएगी ट्रेनिंग, संगठन से जुड़ी जानकारी देगी एमपी कांग्रेस

भोपाल, निप्र। मध्य प्रदेश कांग्रेस जिला अध्यक्षों की दिल्ली में बैठक होगी। तीन अप्रैल को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और राहुल गांधी मीटिंग करेंगे। बैठक से पहले एमपी कांग्रेस जिला अध्यक्षों को ट्रेनिंग देगी। मीटिंग में क्या बोलना है और क्या नहीं, इसके बारे में बताया जाएगा। मध्य प्रदेश कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया है। गुजरात में होने वाले अधिवेशन से पहले राष्ट्रीय राजधानी में बैठक होगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और राहुल गांधी बैठक लेंगे। इस मीटिंग से पहले मध्य प्रदेश कांग्रेस जिला अध्यक्षों को ट्रेनिंग देगी। जिसमें उनको ये बताया जाएगा कि प्रदेश में कितने बूथ हैं, कितने ब्लॉक अध्यक्ष हैं और इसके अलावा अगर राहुल गांधी के सामने बोलने का मौका मिला तो क्या कुछ कहना है। यानी ये कह सकते हैं एमपी कांग्रेस जिला अध्यक्षों को पहले से बताएगी की कि राहुल गांधी के सामने क्या कुछ बोलना है अपने मन का आलाकमान के सामने कुछ नहीं बोलना है। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों के कामकाज को लेकर एक फॉर्मेट भी तैयार किया है। हर 2 महीने में अपने काम की रिपोर्ट जिला अध्यक्षों को देनी होगी।

भोपाल, निप्र। विधायक भगवानदास सबनानी व महापौर श्रीमती मालती राय सिंधी मेला समिति व सिंधू पंचायत भोपाल द्वारा झूलेलाल जयन्ती के अवसर पर भवानी चैक पर आयोजित भव्य शोभा यात्रा में सम्मिलित हुए और भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना की तथा उपस्थितजन को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य मनोज राठौर, सिंधी मेला समिति व सिंधू पंचायत के पदाधिकारी व सामाजिक बंधु व श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में हुए शामिल

मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार सुरक्षित स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हेल्थ केयर क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता से निरंतर प्रगति हो रही है। मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार नए निष्कर्ष निकालने में सहायक होते हैं, जिससे नई पीढ़ी को भी लाभ मिलता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के जबलपुर चेप्टर द्वारा होटल विजन महल में 26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। मेडिकल कॉलेज में प्रदेश में एमबीबीएस की 10 हज़ार और पीजी में 5 हज़ार सीट की वृद्धि की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश हेल्थ

केयर में किया गया है और डॉक्टरों के लिए बेहतर प्रोजेक्ट तैयार किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि डॉक्टरों की क्वालिटी और मानक, मानवता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। समय के साथ उन्हें अपडेट रहना चाहिए और ऐसे सेमिनार से नई जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को सेवा भाव से कार्य कर समाज में उत्कृष्ट योगदान देना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गई है और 2047 तक अमेरिका और चीन को भी पीछे छोड़कर भारत शीर्ष पर पहुँचेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका होगी। उन्होंने सेमिनार में आए निष्कर्षों को सरकार तक पहुंचाने की बात कही। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

पूर्व मंत्री और विधायक अजय बिश्नोई ने कहा कि मेडिसिन अपडेट समय की मांग है। एलोपैथी में नई खोजों से पीड़ित मानवता की सेवा होती है। उन्होंने आयुष के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों की भी सराहना की। इस दौरान एआईपी के प्रेसिडेंट डॉ. नवीन शर्मा, सचिव डॉ. अभिषेक तिवारी, सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा और अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ।

दो दिवसीय शोध शिखर विज्ञान पर्व का समापन

शोधार्थी सिर्फ अपनी खोजी दृष्टि से भी कर सकते हैं कई रिसर्च: प्रो.भरत शरण

भोपाल, निप्र। शोध एवं अनुसंधान पर आधारित दो दिवसीय कार्यक्रम शोध शिखर विज्ञान पर्व 2025 का शनिवार को रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) परिसर में समापन सत्र का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. भरत शरण सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मनोज कुमार पटेरिया, पूर्व अध्यक्ष, एवं डॉ. नम्रता पाठक, वैज्ञानिक-जी, एनजीपी और एसएमपी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आरएनटीयू की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलगुरू आरपी दुबे और सीवीआरयू खंडवा के कुलगुरू डॉ. अरूण जोशी उपस्थित रहे।

इस दौरान अपने वक्तव्य में प्रो. भरत शरण ने शोधार्थियों से भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए कार्य करने की बात कही। उन्होंने प्राचीन समय के कई उद्धरण देते हुए भारत की

प्राचीन उपलब्धियों से अवगत कराया जिसमें 1750 के समय में भारत दुनिया का जीडीपी का 25 प्रतिशत सम्भालता था, स्थापत्य कला में उत्कृष्टता हडप्पा से लेकर हम्पी तक देखी जा सकती है। इसी प्रकार गणित शास्त्र, विद्युत शास्त्र, धातु विज्ञान और खगोल विज्ञान की कई अवधारणाओं का भी जिक्र किया। आगे उन्होंने शोधार्थियों से बात करते हुए कहा कि रिसर्च के लिए महंगे उपकरणों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि शोधार्थी कि सिर्फ खोजी दृष्टि बनाए रखने की जरूरत होती है।

डॉ. मनोज कुमार पटेरिया ने अपने अपने वक्तव्य में आरएनटीयू द्वारा स्थापित किए टेक्नोलॉजी ट्रांस्फर सेंटर की सराहना की और कहा कि रिसर्च को इंडस्ट्री रेडी बनाने के लिए इन सेंटर्स का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। इसके अलावा उन्होंने शोधार्थियों को कहा कि भारत के पास बहुत सारा प्राचीन ज्ञान है परंतु साइंटिफिक वेलिडेशन की कमी के कारण दुनिया उसकी ओर देख नहीं पाती है। ऐसे में इस पहलू पर कार्य किए जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

इससे पहले डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत आज रिसर्च में 40वें स्थान पर है और हमारा रिसर्च पर निवेश भी विकसित राष्ट्रों के मुकाबले काफी कम है। ऐसे में एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए लम्बी दूरी तक करना बाकी है जिसके लिए हमें गति की आवश्यकता है। गति के लिए जो तकनीक हमें चाहिए उसके लिए शोध शिख जैसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं। वहीं, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने अपने वक्तव्य में दो दिन तक चले शोध शिखर विज्ञान पर्व की जानकारी साझा करते हुए बताया कि इसमें 7 समानांतर सत्रों में 1500 से अधिक प्रतिभागी, 100 से अधिक वक्ताओं, 176 संस्थाओं, 75 से अधिक प्रोजेक्ट्स, 300 से अधिक शोध पत्रों की प्रतिभागिता रही।

विज्ञान पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए: डॉ. विनीता चौबे

विज्ञान पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए विषय पर विचार-विमर्श हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विनीता चौबे, विज्ञान कथाकार मनीष मोहन गोरे, डॉ. कुलवंत सिंह, समीर गांगुली, और डॉ. मनीष श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. विनीता चौबे ने अपने उद्बोधन में बताया कि विज्ञान प्रसार के उद्देश्य से 卐इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए卐 पत्रिका का प्रकाशन किया गया था। उन्होंने पुराने समय का जिक्र करते हुए बताया कि जब पोस्टकार्ड और अंतरदेशीय पत्रों का दौर था, तब बस्तर और झाबुआ जैसे स्थानों से लोग 12-15 पृष्ठों के लेख भेजते थे। यह पत्रिका की लोकप्रियता का प्रतीक था। आज, इस पत्रिका की 35 हजार से अधिक प्रतियां हर माह प्रकाशित हो रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान की समृद्ध और आलोकित परंपरा की बात की।

हास्य योगा थिरोफी से रोग मुक्त रहा जा सकता है: डॉ भागवत

भोपाल, निप्र। भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा होटल विज्ञापश्री में आयोजित मासिक व्यख्यानमाला के अंतर्गत हास्य योग द्वारा शरीर को स्वस्थ कैसे रखे इस पर डॉ पी के भागवत ने विस्तार से व्याख्यान

दिया और विभिन्न तरीके के अभ्यास कराकर प्रत्येक एक्सरसाइज का महत्व बताया सांस लेना बोलना देखना और आपसी व्यवहार में हास्य योग से शरीर को कैसे नियंत्रित करे इसकी क्रिया भी कराई जिसका उपस्थित सदस्यों ने हास्य विद्या में अभ्यास कर मनोरंजन भी किया डॉ भागवत ने कहा कि हास्य योग से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है कार्यक्रम के प्रारंभ में बीएमए अध्यक्ष सुनील भार्गव ने अपने सत्र के अंतिम भाषण में सभी बीएमए सदस्यों को वर्षभर सक्रिय भागीदारी करने पर धन्यवाद दिया और सदस्यों के लिए फिल्मी गानों पर आधारित एक मनोरंजक कार्यक्रम भी श्रीमती रागनी भार्गव ने प्रस्तुत किया जिसमे सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन महेंद्र जोशी और डॉ दीपा अयाची ने किया और आभार प्रदर्शन आर जी दिवेदी ने किया।

अनमोल वचन

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।
होरेस

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
धीरूभाई अंबानी

सम्पादकीय

विदेश नीति की विफलता से भारत को पड़ोसी देशों से चुनौती

भारत की विदेश नीति हमेशा से पड़ोसियों के साथ बेहतर संबंधों और वैश्विक मंच पर जरूरत को ध्यान में रखते हुए स्थिति से जुड़ी रही है। हाल के वर्षों में कुछ नीतिगत निर्णयों और पड़ोसी देशों से बिगड़ते संबंधों ने भारत के लिए गंभीर कूटनीतिक चुनौतियां पैदा कर दी हैं। इन चुनौतियों के कारण भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ बिगड़ते संबंधों के कारण कूटनीतिक हार का सामना करना पड़ा है। भारत की सबसे बड़ी हार बांग्लादेश के तीस्ता जल समझौता और नेपाल के संबंधों को लेकर है, जहां सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति में भारत पहुंच गया है। भारत और बांग्लादेश के संबंध ऐतिहासिक रूप से मजबूत रहे हैं। बावजूद इसके हाल ही में चीन की बढ़ती दखलंदाजी ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों में खटास ला दी है। तीस्ता जल समझौते पर वर्षों से भारत की टाल-मटोल नीति ने बांग्लादेश को निराश किया। चीन ने इस अवसर का लाभ उठाकर वहां अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा दी। बांग्लादेश और चीन का इस मामले में समझौता होने जा रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में भारत की उपेक्षा के बावजूद बांग्लादेश ने धैर्य बनाए रखा था। नई सरकार के आते ही चीन ने तीस्ता परियोजना को अपने हाथ में ले लिया। यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बड़ी हार है। नेपाल, म्यांमार और अन्य पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध हाल के वर्षों में काफी तनावपूर्ण हो गये हैं। उन देशों की आंतरिक राजनीति में भारत पर हस्तक्षेप के आरोप लगे हैं। नेपाल में भारत के प्रति असंतोष बढ़ा है। वहीं, म्यांमार में चीन की सक्रियता और भारत की निष्क्रियता ने पड़ोसी देश के साथ संबंधों और सीमा के मामले में भारत को कमजोर किया है। भूटान, हमेशा से भारत का परंपरागत सहयोगी रहा है। भारत और भूटान के बीच में भी दूरियां बढ़ रही हैं। भूटान विदेश नीति के मामले में अधिक स्वतंत्रता से आगे बढ़ रहा है। श्रीलंका और मालदीव मे भी चीन की रणनीतिक पकड़ भारत की तुलना में काफी मजबूत हुई है। भारत का प्रभाव उपरोक्त देशों में सीमित होता जा रहा है। जिसके कारण भारत के लिये सीमावर्ती चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति पड़ोसी देशों के साथ अनुकूल नहीं रही है। उससे भारत के संबंध अपने पड़ोसी देशों के साथ पहले की तुलना में बहुत खराब हुए हैं। भारत की यह हार भविष्य में भारत के लिए बहुत बड़ी चुनौतियां पैदा करने जा रही है। यह सिर्फ पडोसी देश तक सीमित नहीं है। इसके प्रभाव भारत की सीमा सुरक्षा एवं व्यापार के क्षेत्र में भी बड़ा असर डालेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इसका असर होगा। समूचे दक्षिण एशिया में चीन की आक्रामक विदेश नीति ने भारत के लिए कई बड़ी चुनौतियां पैदा कर दी हैं। भारत सरकार की निष्क्रियता से पड़ोसियों के बेहतर रिश्तों को खराब कर दिया है। अभी भी समय है, भारत सरकार अपनी नीतियों की समीक्षा करे। अपने मित्र देशों और पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बने, इसके लिए उन्हें पुन: विश्वास में लेने का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से करना चाहिए। भारत और भूटान के बीच में भी दूरियां बढ़ रही हैं। भूटान विदेश नीति के मामले में अधिक स्वतंत्रता से आगे बढ़ रहा है। श्रीलंका और मालदीव मे भी चीन की रणनीतिक पकड़ भारत की तुलना में काफी मजबूत हुई है। भारत का प्रभाव उपरोक्त देशों में सीमित होता जा रहा है। जिसके कारण भारत के लिये सीमावर्ती चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति पड़ोसी देशों के साथ अनुकूल नहीं रही है। अन्यथा विदेश नीति की कूटनीतिक हार भारत के लिए गंभीर सामरिक चुनौतियों के साथ-साथ आर्थिक चुनौतियों को भी बढ़ाने वाली होगी। चीन जिस तरह से भारत को चारों ओर से घेर रहा है। चीन की ओर से भारत को लगातार चुनौतियां मिल रही हैं। ऐसी स्थिति में भारत को जरूरत से ज्यादा सजग रहने की जरूरत है। भारत एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। निश्चित रूप से भारत और चीन के बीच में व्यापारिक और सीमा क्षेत्र में हमेशा प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी। इसको ध्यान में रखते हुए भारत को अपने आप को सशक्त बनाना होगा। चीन का मुकाबला हम कर सकें, ऐसी नीतियां बनानी होंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत एक प्रमुख भूमिका में जैसे पहले रहता था, आगे भी वही स्थिति भारत की बनी रहे। इसको ध्यान में रखते हुए विदेश नीति मे बड़े बदलाव ओर सुधार की जरूरत है। विदेश नीति अधिकारियों के माइंडसेट से तय नही हो सकती है। इसके लिए राजनीतिक समझ और इच्छा शक्ति की जरूरत होती है। इसका ध्यान रखना वर्तमान स्थिति में सरकार के लिए बहुत जरूरी हो गया है। नेपाल में जिस तरह से हिंदू राष्ट्र बनाने की मुहिम में भारतीय संगठनों का नाम सामने आ रहा है, उसके कारण हमने एक अपने पड़ोसी देश नेपाल को भी बुरी तरह से नाराज कर लिया है। विदेश नीति बड़ी संवेदनशील होती है। नेपाल के मामले में भारत सरकार को गंभीर चिंतन करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है। एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

विक्रम सम्वत: प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और विकास का उत्सव

डॉ. मोहन यादव

आज से विक्रम सम्वत् 2082 आरंभ हुआ है। यह प्रदेशवासियों के लिये गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय नववर्ष विक्रम सम्वत् के उज्जयिनी से शुरू हुआ। यह सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक की तिथि है। सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम सम्वत् का प्रवर्तन किया था। न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम, पुरुषार्थ, वीरता और गंभीरता जैसी विशेषताओं के लिए सम्राट विक्रमादित्य को समूचे विश्व में स्मरण किया जाता है। उन्होंने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए अपने सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, इसीलिए उनके सिंहासन को 'सिंहासन बत्तीसी' कहा जाता है।

भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का दिन ऋतु परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को सक्षम बनाने का समय है। इसे कहीं %गुड़ी पड़वा% तो कहीं %चैती चांद%, कहीं %युगादि% तो कहीं %उगादि% और कहीं %नवरोज अगदु% के रूप में मनाया जाता है। विविध स्वरूपों में मनाया जाने वाला नववर्ष का यह पर्व 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को स्थापित करता है। इसके साथ नवरात्र का आरंभ होता है। यह नौ दिन आरोग्य, साधना और कायाकल्प के लिए होते हैं।

नवसम्वत्सर की तिथि सृष्टि निर्माण की तिथि है। इसका निर्धारण संपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ हुआ है। इसे मनाने की परंपरा व्यक्ति, परिवार और समाज, तीनों के स्वस्थ जीवन और समृद्धि को ध्यान में रखकर शुरू की गई। यह हमारे पूर्वजों के शोध की विशेषता है कि हजारों वर्ष पहले पूर्वजों को ग्रहों की गति और नक्षत्रों की स्थिति का पूर्ण ज्ञान था और इस गणना को ही वैदिक घड़ी कहा गया है। बाबा महाकाल की नगरी विश्व में कालगणना का केंद्र रही है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उज्जैन की वेधशाला में स्थित विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की पुनर्स्थापना की है।

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं के प्रकटीकरण के लिए हम विक्रमोत्सव का आयोजन कर रहे हैं। विक्रमोत्सव हमारी गौरवशाली विरासत और वर्तमान के विकास का उत्सव है। यह उत्सव 26 फरवरी से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। इस 125 दिन तक चलने वाले उत्सव में विविध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कार्यक्रमों के साथ सम्राट विक्रमादित्य के समूचे व्यक्तित्व, कृतित्व और विशेषताओं को परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित एक भव्य आयोजन होने जा रहा है।

श्रीकृष्ण की दीक्षा नगरी उज्जयिनी का संबंध भारत की हर विशेषता से है। उज्जैन धरती के केन्द्र में स्थित है। यहां भगवान श्रीकृष्ण ने सांदीपनि आश्रम में शिक्षा प्राप्त की थी। मध्यप्रदेश सरकार ने संकल्प लिया है कि सांदीपनि आश्रम से श्रीकृष्ण पाथेय के निर्माण का आरंभ होगा।

मध्यप्रदेश का 2025-26 का बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को केन्द्र में रखकर प्रस्तुत किया गया है। इसमें विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण की अवधारणा अनुसार बजट को बहुआयामी स्वरूप दिया गया है। इस बजट में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का भी प्रावधान है। वर्ष भर के संकल्पों की पूर्ति के लिए हमने बजट में 15 प्रतिशत की वृद्धि की है। हमारा यह बजट मध्यप्रदेश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए बनाये रोडमैप के संकल्प की पूर्ति के लिए है। इसमें आर्थिक सुधार, सामाजिक न्याय, सतत् विकास के साथ प्रधानमंत्री जी का मंत्र, ज्ञान, (त्ड्ड्ह) पर ध्यान शामिल है। ज्ञान के चारों स्तंभों को सशक्त करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान हैं। इसमें गरीब कल्याण (त्र) में अंत्योदय की अवधारणा को साकार किया जायेगा। युवा शक्ति (ड्ड) में कौशल विकास, प्रशिक्षण तथा रोज़गार के अवसर प्रदान किये जायेंगे। अन्नदाता (८) में किसानों की आय में वृद्धि करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। नारी शक्ति (ह) में महिलाओं को समग्र रूप से सशक्त बनाने के लिए आयोजना बनाई गई है।

हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें विरासत से विकास का सूत्र दिया है। उनके नेतृत्व में समाज, प्रदेश और देश को सशक्त बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अपनी तरह से कार्य कर रही है। मुझे बताते हुए खुशी है कि प्रधानमंत्री जी के 'विरासत के साथ विकास' मंत्र को प्रदेश में धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और पुरातात्विक स्थलों के विकास के लिए बजट में अलग से प्रावधान किया है। ऐतिहासिक विरासत को सहेजने के इस अभियान में ओंकारेश्वर, उज्जैन, मैहर आदि धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ पर्व के आयोजन की भव्यता और दिव्यता के लिए दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। श्रीराम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय के लिए अलग से बजट है। हम इन स्थानों पर अधोसंरचना विकास के साथ पर्यटन को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कार्य करेंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलेगा और मध्यप्रदेश की विरासत संसार के सामने आएगी।

प्रधानमंत्री जी के लोकल फॉर वोकल के संकल्प को आकार देने के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इंडस्ट्री समिट में प्राप्त प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जायेगा। इससे मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र की विशेषता, क्षमता और दक्षता विश्व स्तर तक पहुंचेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर्ण करने के लिए हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

गुड़ी पड़वा के अवसर पर हमारी परंपरा में सूर्योदय के पहले बहते हुए स्वच्छ जल में स्नान करने का विधान है। ऊषाकाल में सूर्य को प्रणाम किया जाता है। यह जलस्रोत के प्रवाह स्थल को सुरक्षित रखने का संकल्प है। प्रकृति के इस संदेश को स्वरूप प्रदान करते हुए हम प्राकृतिक स्रोतों की सुरक्षा के लिए आज से जल गंगा अभियान शुरू कर रहे हैं। इसकी शुरुआत उज्जैन के क्षिप्रा तट से होने जा रही है। इसमें जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जलस्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अंतर्गत 1 लाख जलदूत तैयार किये जायेंगे। लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे। प्रदेश की 50 से अधिक नदियों के वॉटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जलस्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे। यह अभियान आज से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। मुझे विश्वास है कि यह अभियान प्रदेश में जल संकट को खत्म करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

भारतीय नववर्ष प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और निर्माण की प्रेरणा देता है। इसमें सृष्टि, संस्कृति और समाज का संगम है। ऋतुकाल संधि के इन दिनों में नवचेतना, नवजागृति का संदेश है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रकृति के नवसृजन और विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लेता हूं। मुझे उम्मीद है कि इस वर्ष आरंभ होने वाले विशेष प्रयास आप सभी के जीवन में समृद्धि, खुशहाली और आनंद लेकर आएंगे।

यह वर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो, शुभ हो। एक बार पुन: भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

कला-संस्कृति - राजस्थान का प्रमुख लोकोत्सव है गणगौर

इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीर्घायु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

रमेश सर्राफ धमोरा

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीर्घायु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलत: कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रात: काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुन: जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुन: जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रात: ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं-

गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।

गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं- म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो, बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो, म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो। लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं।

इतिहास को छोड़ो.. भूगोल की चिंता करो..!

ओमप्रकाश मेहता

भारत के वरिष्ठ और बेबाक कवि इंदीवर ने लिखा था- ''इतिहास मुझे पसंद नही, इतिहास पढ़ाना बंद करो.. मानव इतना गिर सकता है, ये सबक सिखाना बंद करो..' उस विराट कवि की ये पंक्तियां आज भी भारत में अवतरित हो रही है। आज हमारे और हमारे देश के वर्तमान हालातों की किसी को भी चिंता नही है, सब बाबर-राणा-सांगा में खोए हुए है। अर्थात् जो इतिहास मौजूदा पीढ़ी को सबक लेने के लिए होता है, उस इतिहास व उसके पात्रों को आदर्श वर्तमान भूगोल की किसी को भी चिंता नही है। क्या हमारा देश अब पूर्णत: चिंता मुक्त हो गया है? जो उसे अपना इतिहास याद करने की फुरसत मिल गई, आज भी देश में गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे कई अहम् मुद्दें है, जिन पर ध्यान दिया जा सकता है। किंतु मौजूदा सोच के बारे में क्या कहा जाए? आज का चलन ही यह हो गया है कि खुद के बारे में कोई नही सोचता और दुनिया भर की चिंता करता रहता है, हम कहां है? किस स्थिति में है? आज की स्थिति का निदान क्या है? इन प्रश्नों के उत्तर खोजने की किसी को भी चिंता नही है, हमारे इतिहास पुरूषों पर बकवास करने का समय सभी के पास है। हॉं, यदि इन इतिहास पुरूषों के साथ घटी घटनाओं या उस समय की परिस्थिति से कुछ सबक लेने की लालसा होती तो बात अलग थी। लेकिन ऐसा कतई नहीं है, सिर्फ और सिर्फ ''किस्सा गोई'', इन्हें याद करने का आज इनका मक्सद क्या है? यह किसी के भी समझ में नही आ रहा है, आज मौजूदा पीढ़ी का हर वर्ग सिर्फ और सिर्फ मौजूदा माहौल से उस ऐतिहासिक माहौल की तुलना करने में ही व्यस्त है। अरे भाई, बहुत हो गया हमारा इतिहास अध्ययन अब इतिहास को छोड़कर मौजूदा भूगोल की भी खोज-खबर लो, आज सबसे पहले इस बात पर चिंतन जरूरी है कि प्रकृति हमेशा रूठी हुई है? हमने ऐसा कौन सा घौर अपराध किया है? जिसका दण्ड प्रकृति हमें दे रही है। आज हर कहीं भूकम्प है, तो कहीं अत्याधिक गर्मी या वर्षा, कहीं पहाड़ गिर रहे है तो कहीं जंगल आग के हवाले हो रहे है। आखिर यह प्राकृतिक प्रकोप की स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? प्रकृति आज हमसे इतनी नाराज क्यों है? इस मसले पर अब व्यापक रूप से आत्म चिंतन बहुत जरूरी है और यदि हम दोषी है तो उसे मानना भी जरूरी है। क्योंकि हमने अब तक प्रकृति का हर तरीके से दोहन करने में कोई कर्मी नही की, हमने हर तरीके से बेशर्मी के साथ इसका दोहन किया है। इसलिए ये प्रकृति हमसे गंभीर रूप से नाराज है और उसने हमें दण्डित करना शुरू कर दिया है। प्रकृति और मानव के रिश्तों का यह मौजूदा स्वरूप दोनों के ही लिए चिंतनीय है। जब तक मानव और प्रकृति एक-दूसरे के मित्र बनकर नही रहेंगे तब तक संतुलन की स्थिति कैसे बनगी। जबकि आज की स्थिति में यह बेहद जरूरी है, दोनों को एक-दूसरे की चिंता करना जरूरी है, किंतु हमें उसकी फिक्र कहां है? हम तो हमारे इतिहास पुरूषों में खोये हुए है, कभी बाबर को कोसते है तो कभी राणा-सांगा को गालियां देते है? क्या मौजूदा हालातों में हमारी भूमिका ऐसी होनी चाहिए? इस मसले पर आज तक किसी ने भी चिंता की? आज की सबसे बड़ी विसंगति ही यही है कि हम अपनी स्वयं की चिंता छोड़ दुनियां भर की चिंताओं में शामिल हो जाते है? हम अपनी व अपने आसपास के साथ देश की स्थिति परिस्थिति पर ध्यान ही नही देते। क्या आज हमारे अपने हालात अच्छे है? क्या हम हर चिंता से मुक्त है? यदि ऐसा नही है तो फिर मौजूदा हालात बिगड़े हुए क्यों है? इसीलिए आज कवि इंदीवर जी व उनकी पंक्तियां याद आई, क्योंकि इतिहास सीखने के लिए होता है, दोहराने के लिए नहीं?

खास बात

आंदोलन से क्या हासिल हुआ किसानों को?

पंजाब की सरकार ने किसानों के आंदोलन को समाप्त करने के लिए सीधी कार्रवाई की। उनका डेरा-डंगल उठाकर फेंक दिया। 13 महीने से चल रहा शंभू और खनोरी बॉर्डर का आंदोलन एक झटके में समाप्त हो गया। इसके पहले भी तीन कानूनो को खत्म कराने के लिए किसानों ने लगभग 1 वर्ष का आंदोलन किया था। 700 से अधिक किसानों की मौत हुई थी। इसी बीच चुनाव आ गए। सरकार ने तीन कानूनों को लागू नहीं करने का भरोसा दिलाया। किसानो की मांग जल्द पूर्ण करने का आश्वासन दिया। सरकार का कोई भी आश्वासन आज दिन तक पूरा नहीं हुआ। सरकार किसानों से बातचीत भी नहीं करना चाहती है। लंबे समय तक चले किसान आंदोलन का यह हश्र होगा। यह किसानों ने नहीं सोचा था। किसान ठगे हुए महसूस कर रहे हैं। मांगों को मनवाने के लिए अब नई रणनीति तैयार करने में किसान लगे हैं। उसमें सफलता मिलेगी या नहीं मिलेगी, यह कहना बड़ा मुश्किल है। किसानों का नेतृत्व ही दलाल है। यह किसान समझने लगे हैं। अत: अब नए तरीके का आंदोलन होगा।

संसद में घिरे ओम बिरला, अध्यक्ष नहीं समय बलवान

पिछले दो कार्यकाल में केंद्र सरकार के पास स्पष्ट बहुमत था। सदन के अंदर विपक्ष बहुत कमजोर था। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सदन की कार्रवाई मनमाने तरीके से संचालित की जा रही थी। विपक्ष कुछ कर नहीं पा रहा था। बिना चर्चा बिल सदन मे पास हो रहे थे। सैकड़ो सांसदों को एक झटके से संसद से निकाल दिया था। तीसरी बार में स्पष्ट बहुमत नहीं आया। लोकसभा अध्यक्ष को सदन चलाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बिरला आसंदी की इज्जत बचाकर नहीं रख पा रहे हैं। निष्पक्षता के लिए विपक्षी सदस्य अध्यक्ष को निशाने पर ले रहे हैं। अब चाहकर भी ओम बिरला और सरकार कोई कार्यवाही विपक्षी सदस्यों पर नहीं कर पा रही है। अब तो मुंह दिखाने की जगह मुंह छुपाना पड़ रहा है। राहुल गांधी और विपक्ष तथ्यों के साथ आक्रमक है। कैमरा और माइक लोकसभा अध्यक्ष और सरकार का साथ नहीं दे रहा है। समय बदलता है, तो सब कुछ बदल जाता है। सरकार को भी अब समझ आने लगा है, समय बलवान है, व्यक्ति नहीं।

भारत कोई धर्मशाला नहीं, इमीग्रेशन बिल पास

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विदेशी घुसपैठ को रोकने के लिए कह दिया। भारत कोई धर्मशाला नहीं है। भारत में आने वाले अब हर विदेशी की जानकारी रखी जाएगी। पश्चिम बंगाल की सरकार को भी उन्होंने बंगालियों के नाम पर घेर लिया। अगले साल बंगाल विधानसभा के चुनाव होना है। तैयारी अभी से शुरू हो गई है। गृह मंत्री के इरादों को लेकर विपक्ष ने निशाना साधा, विपक्ष ने विरोध किया। बहुमत के आधार पर बिल पास हो गया। अमेरिका ने जिस तरह से भारत के अवैध प्रवासियों को हथकड़ी और वेडियों में जकड़ कर भारत भेजा था। उसके बाद भारत सरकार को अपनी इज्जत बचाए रखने के लिए इतना तो करना ही था। गृहमंत्री ने 1920 1930 और 1946 के कानूनो का हवाला देते हुए, इसी बहाने अपनी लाज बचा ली है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि दोइज, सोमवासरे, अश्वनी नक्षत्रे, वैश्य योगे, कौलव करणे, मेष की चंद्रमा, सव्याल मास, 10 मु. मूल समाप्त दिन के 4/24 पंचक समाप्त सांय 6/40 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, दार्शनिक, चपल, चंचल, उद्यमी, शिक्षक-शिक्षाविद्, नौकरी करने वाला, पटवारी, माईनिंग का व्यापारी, कुशल शासक-प्रशासक, उद्योगपति, धनी होगा।

मेष राशि- अपने आप पर नियंत्रण रखें, चिन्ता विभ्रम तथा अशांति से बचें, रुके कार्य बनेंगे।

वृष राशि- कोई शुभ समाचार हर्षप्रद रखे, थकावट बेचैनी तथा धन का व्यय अवश्य होगा।

मिथुन राशि- शुभ समाचार से हर्ष तो होगा किन्तु भावना उत्तेजित होगी, मानसिक कष्ट होगा।

कर्क राशि- दैनिक कार्यवृत्ति में सुधार हो एवं कार्य योजनाएं फलीभूत होगी, भिन्न-मिलन।

सिंह राशि- असमंजस क्लेशप्रद रखें, झूठे आश्वासन पर विश्वास न करें, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि- दैनिक व्यवसाय गति अनुकूल, स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, लाभ होगा, ध्यान रखें।

तुला राशि- समय पर सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे, बौद्धिक विकास की क्षमता में वृद्धि अवश्य होगी।

वृश्चिक राशि- अनायास तनाव-क्लेश, अशांति, उपद्रव, विरोधी से विवादास्पद स्थति बनेगी।

धनु राशि- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, शुभ समाचारों के मिलने से खुशी होगी।

मकर राशि- स्त्री शरीर कष्ट होगा, कुटुम्ब में सुखवर्धन के योग बनेंगे, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ राशि- कार्यकुशलता से संतोष, परेशानी व चिन्ताजनक स्थिति बनेगी, ध्यान रखें।

मीन राशि- स्थिति में सुधार होगा, व्यवसाय अनुकूल, अधिकारी सहयोग करें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

31 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.39 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.19 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.17 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.30 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.47 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.58 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.09 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.24 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.40 बजे से
राहुकाल		मकर	01.45 बजे से
7.30 से 9.00		कुंभ	03.31 बजे से
बजे तक		मीन	05.04 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 90 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 09.12 बजे तदनन्तर तृतीया 05.43 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 13.45 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 13.46 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 09.12 बजे, तैतिल 19.26 बजे तदनन्तर गर 05.43 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 10' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872300 **जूलियन दिन** 2460765.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 01 **विशेष** झूलेलाल जयंती, गौरी पूजा, गणगौर, मत्स्य जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

डकैती के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने वर्ष 2015 में मानसरोवर पार्क इलाके में हुई डकैती के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान आकाश उर्फ प्रेम (28) के रूप में हुई है। 24 फरवरी 2025 को कड़कड़डूमा कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित किया था। पुलिस काफी समय से इसकी तलाश कर रही थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने रविवार को बताया कि आकाश के खिलाफ 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2015 में इसने अपने साथियों के साथ मिलकर एक कारोबारी के यहां 30 लाख रुपये की डकैती डाली थी। तभी से पुलिस को इसकी तलाश थी। जांच में पता चला है कि इसका भाई विकास भी बदमाश है। उसके खिलाफ 10 मामले दर्ज हैं। डीसीपी के अनुसार उनकी टीम भगोड़ों की तलाश कर रही थी। इस बीच क्राइम ब्रांच की टीम को आरोपित आकाश उर्फ प्रेम के भगोड़े होने का पता चला। फौरन उसकी जानकारी जुटाना शुरू कर दिया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपित बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा है। जानकारी जुटाने के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने बीती देर रात आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील बहस शुरू

वाशिंगटन। हाल ही में डच और इटालियन खगोलविदों की टीमों ने इस आकाशगंगा का गहन अध्ययन करने के लिए एएलएमए रेडियो टेलीस्कोप का उपयोग किया। यूरोपियन सदर्न ऑब्जर्वेटरी (ईएसओ) के अनुसार, इस अध्ययन मेंजेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में ऑक्सीजन की मौजूदगी के स्पष्ट संकेत मिले, जो पहले वेब टेलीस्कोप द्वारा देखे गए थे। खगोलविदों ने आकाशगंगा में ऑक्सीजन के संकेत खोजे हैं, जिससे शुरुआती ब्रह्मांड में तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील बहस शुरू हो गई है। यह आकाशगंगा जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 है, जिसे जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोपने पिछले साल खोजा था। यह इतनी दूर स्थित है कि इसका प्रकाश पृथ्वी तक पहुंचने में 13.4 अरब साल लगा, यानी जब ब्रह्मांड सिर्फ 300 मिलियन साल पुराना था, तब यह आकाशगंगा अस्तित्व में आ चुकी थी। यह खोज वैज्ञानिकों के लिए चौंकाने वाली है, क्योंकि यह संकेत देती है कि शुरुआती ब्रह्मांड में सितारे अपेक्षा से कहीं ज्यादा तेजी से बने और विकसित हुए। सामान्यत: ब्रह्मांड के शुरुआती दौर, जिसे कॉस्मिक डॉन कहा जाता है, में आकाशगंगाओं में मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम जैसे हल्के तत्व मौजूद होने चाहिए थे। लेकिन जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में भारी तत्वों की मात्रा उम्मीद से 10 गुना अधिक पाई गई। लीडेन ऑब्जर्वेटरी के खगोलशास्त्री सैंडर शॉव्स ने इस खोज को एक ऐसे किशोर को खोजने जैसा बताया, जहां केवल नवजात शिशु होने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, यह आकाशगंगा अत्यधिक तेजी से विकसित हो रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि आकाशगंगाओं का निर्माण जितना हम सोचते थे, उससे कहीं तेज हुआ।

पुतिन की कार में धमाका, यूक्रेन के हमले से हिल गया रूस

मॉस्को। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक जलती हुई कार दिखाई गई है। बताया जा रहा है कि ये कार रुस राष्ट्रपति पुतिन के काफिले की है। रूसी सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मुख्यालय के पास यह विस्फोट हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने इस धमाके के बाद सीवर की तलाशी से लेकर अपने गार्डों की जांच का आदेश दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि आग इंजन से शुरू हुई और देखते ही देखते पूरी गाड़ी चपेट में आ गई। लिमोजिन में आग लगते ही आस-पास के बार से कर्मचारी मदद के लिए पहुंचे, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि वह बस देखते रहे। अभी यह साफ नहीं हो सका है कि विस्फोट के दौरान गाड़ी में कौन था। लिमोजिन पुतिन के प्रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट डिपार्टमेंट की बताई जा रही है। आग के कारणों का भी खुलासा नहीं हो सका है।

पश्चिमी सिंहभम से पांच-पांच किलों का दो आईईडी बरामद

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे सर्च अभियान के दौरान दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया है। एसपी आशुतोष शेखर ने रविवार को बताया कि छोटानागरा थानान्तर्गत वनग्राम डिकू पोंगा और हथना बेरा के बीच में जंगली- पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों की ओर से पूर्व में लगाये गये दो आईईडी बरामद कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहायता से डिफ्यूज कर दिया गया है। इलाके में नक्सल विरोधी अभियान जारी है। एसपी ने बताया कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछू, चमन, कांडे, अजय महतो, सांगेन अगरिया और अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है।

रामेश्वरम में नए पंबन ब्रिज के उद्घाटन से पूर्व सफल रहा परीक्षण रिहर्सल

प्रयागराज। पंबन ब्रिज और रामेश्वरम में रेलवे, तटरक्षक, राज्य प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने 29 मार्च को नए पंबन ब्रिज के खुलने का पूर्वाभ्यास किया। तटरक्षक पोत को गुजरने की अनुमति देने के लिए शेर्जर स्पैन के साथ पुराने पंबन ब्रिज को भी खोलना पड़ा। पंबन ब्रिज तमिलनाडु में रामेश्वरम द्वीप को मुख्य भूमि से जोड़ने वाला एक रेलवे पुल है। एनसीआर के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने रविवार को बताया कि इस पूर्वाभ्यास में समय को एक समान करने के लिए पुराने और नए पंबन ब्रिज को खोलना शामिल था और तटरक्षक जहाज को नए पुल के खुले लिफ्ट स्पैन के नीचे दूसरी तरफ जाने की अनुमति देने के बाद समय को मापने के लिए नए पुल के उठाए गए हिस्से को नीचे उतारा गया।

चैत्र नवरात्रि-पहले दिन कठुआ जिला के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने माता के चरणों में लगाई हाजिरी, सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम

कठुआ ■ एजेंसी

रविवार को चैत्र नवरात्रि उत्सव शुरू हो गया है। पहले नवरात्रि पर जिला कठुआ के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने माथा टेका और माता के चरणों में हाजिरी लगाई। वहीं बढ़ती आंतकी घटनाओं के चलते नवरात्रों को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं।

रविवार से चैत्र नवरात्रि उत्सव के पहले दिन जिला कठुआ के अधीन पड़ते सभी मंदिरों में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने माता के चरणों में हाजिरी लगाई। सभी भक्तों ने व्रत एवं पूजा अर्चना को लेकर उत्साहित दिखे। रविवार की सुबह लोगों ने अपने घरों में पूजा अर्चना कर माता की अखंड ज्योति अपने घरों में जलाई। इसके बाद लोगों ने विभिन्न मंदिरों में जाकर माता रानी के चरणों में माथा टेका। जिलाभर के सभी देवी मंदिरों में माता बाला सुंदरी, जसरोटा माता मंदिर, शेर कोटला मंदिर, आशापूर्णी मंदिर, सुकराला देवी मंदिर, जोड़ियां माता मंदिर सहित अन्य मंदिरों में विशेष सजावट देखी गई। इसके अलावा कठुआ के राजबाग में स्थित जसरोटा देवी मंदिर, बसोली में जोड़ियां माता मंदिर, बिलावर में सुकराला देवी मंदिर एवं बाला सुंदरी मंदिर में पहले नवरात्रि पर काफी संख्या में श्रद्धालु देवी मां के दर्शन व पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। जहां पर दिन भर विभिन्न कार्यक्रम चले, सुबह और शाम श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ी। जहां विशाल मेले भी लगाए गए। नवरात्रों को लेकर सभी मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। इसके अलावा मंदिर के बाहर प्रसाद आदि की दुकानें भी सजाई गई हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और उसकी सहयोगी दलों पर हमला बोलते हुए कहा

राजद संरक्षक लालू और कांग्रेस नेता सोनिया ने बिहार को बर्बाद कर दिया

पटना/गोपालगंज ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और उसकी सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जोरदार प्रहार किया। शाह ने कहा कि राजद संरक्षक लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने बिहार को बर्बाद कर दिया। वे आज दोपहर गोपालगंज में एक जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग की गठबंधन सरकार में राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया और आज बिहार को बीमारू राज्य से प्रगतिशील राज्य की पंक्ति में लाकर के खड़ा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब बिहार को यह तय करना है कि उसे लालू-राबड़ी का जंगल राज चाहिए या मोदी जी और नीतीश कुमार का विकास पथ।

उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस जो 65 साल में नहीं कर पाई, वह नरेन्द्र मोदी ने 10 साल में कर दिखाया। उन्होंने कहा कि आने वाले बिहार विधानसभा में राजग सरकार को फिर से वोट दें। हम पांच साल के भीतर बिहार को बाढ़ मुक्त बना देंगे।

बिहार में राजग 2005 में सत्ता में आयी और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। इस गठबंधन ने दो दशकों तक बिहार पर शासन किया है। पिछले 20 सालों में दो बार ऐसा हुआ है जब नीतीश कुमार विपक्षी खेमे में चले गए और राजद के साथ गठबंधन में राज्य सरकार चलाई। नीतीश कुमार अब राजग खेमे में वापस आ गए हैं और बिहार चुनाव के लिए भाजपा के साथ मिलकर तैयारी कर रहे हैं।

लालू यादव और उनके परिवार पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, यहां लालू-राबड़ी शासन और केंद्र में सोनिया-मनमोहन सरकार ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। लालू के दोनों बेटे अब मुख्यमंत्री पद की तैयारी कर रहे हैं। उनकी बेटी (मीसा भारती) संसद में हैं। उनकी पत्नी राबड़ी देवी भी सदन (विधान परिषद) की सदस्य हैं।

लालू अपने परिवार को सेट करने में व्यस्त हैं। उन्होंने बिहार में युवाओं को सेट नहीं किया। लेकिन केंद्र की नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को रोजगार दिया है।

शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण सुनिश्चित किया और बिहार में माता जानकी की प्रकाट्य स्थली पर भी भव्य मंदिर बनाने की योजना बनाई है। केंद्र की भाजपा सरकार ने छठ पर्व के लिए छुट्टियों को प्रोत्साहित किया है।

उन्होंने राज्य के लिए बजट घोषणाओं को सूचीबद्ध करते हुए कहा, केंद्र ने बिहार के विकास के लिए 9 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। तेरह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनाए जा रहे हैं। हम 8,000 करोड़ रुपये की लागत से सात पुल बनाएंगे। केंद्र ने बिहार में मखाना बोर्ड भी स्थापित किया है। राजद ने बिहार को लूटने के अलावा कुछ नहीं किया है।

विकसित भारत युवा संसद का 1 से 3 अप्रैल तक आयोजन

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया के नेतृत्व में 1 से 3 अप्रैल तक विकसित भारत युवा संसद का आयोजन किया जा रहा है। राजनीति और सार्वजनिक नीति के साथ युवा शक्ति को जोड़ने और उन्हें नीति निर्माण की दृष्टि देने के एक शक्तिशाली मंच के रूप में युवा संसद कार्य करेगा। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की ओर से जारी की गई जानकारी के अनुसार हर राज्य और केंद्र शासित क्षेत्र के 75 हजार से अधिक युवाओं ने 'माय भारत' पोर्टल के माध्यम से अपनी वीडियो प्रविष्टियाँ भेजी है। संपूर्ण चयन प्रक्रिया को डिजिटल रूप से आयोजित किया गया था। प्रत्येक राज्य एवं यूटी के शीर्ष 3 उम्मीदवारों (कुल 108 युवाओं) को राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए चुना गया है। प्रतिभागी उच्च-स्तरीय चर्चाओं और गतिविधियों में संलग्न होंगे। इसमें प्रश्नकॉल, मास्टरक्लास, संसदीय अनुभव, प्रधानमंत्री संग्रहालय यात्रा और पुरस्कार समारोह शामिल है।

भारतीय नववर्ष प्राकृतिक और सांस्कृतिक नव चेतना का प्रतीक : डॉ महेंद्र

सुल्तानपुर ■ एजेंसी

हिन्दू नववर्ष की पूर्व संध्या पर चौक ठठेरी बाजार में भारतीय नववर्ष आयोजन समिति द्वारा 13 वां विराट कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें आए देश के नामी गिरामी कवियों के गीतों व गजलों का श्रोताओं ने देर रात तक आनन्द लिया। कवि सम्मेलन के पहले सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा हिन्दू नववर्ष केवल एक तिथि परिवर्तन नहीं,बल्कि प्राकृतिक और सांस्कृतिक नवचेतना का प्रतीक है। श्री सिंह ने भारतीय काल गणना, भारतीय नववर्ष कि महत्ता और प्रकृति में होने वाले परिवर्तन पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी करने वाले सपा सांसद पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।उन्होंने कहा सपा सांसद का बयान मूर्खतापूर्ण है। उनको इतिहास की जानकारी नही है। उन्होंने सनातनी परंपरा के पुनर्स्थापित करने की मांग की।

मुख्य वक्ता प्रख्यात कथा वाचक शांतुन महाराज ने कहा भारतीय नववर्ष मनाना सनातन परंपरा को जीवित रखने का माध्यम है।उन्होंने नववर्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। कहा इसी दिन ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि का सृजन,प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक,विक्रमी संवत व युगाब्द संवत्सर का शुभारंभ हुआ था। कार्यक्रम के पहले सत्र का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री व एमएलसी डॉ महेन्द्र सिंह व कार्यक्रम संयोजक प्रवीन कुमार अग्रवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार बलदेव सिंह व संचालन डॉ प्रीति प्रकाश ने किया। नववर्ष आयोजन समिति के मीडिया इंचार्ज विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि दूसरे सत्र का शुभारंभ अयोध्या से आई कवियत्री अर्चना द्विवेदी ने मां सरस्वती के वंदना से की।

भूकंप की दहशत कायम, म्यांमार में लाखों लोगों ने सड़कों पर गुजारी रात

नेपीडो ■ एजेंसी

म्यांमार में आए भूकंप ने जमकर तबाही मचाई है। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों मकान चकनाचूर हो गए। कहीं फिर से भूकंप न आ जाए इसको लेकर लोगों के मन डर है। दहशत में जी रहे लाखों लोगों ने सड़कों पर रात गुजारी।म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद जन-जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। म्यांमार पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा था। वहीं भूकंप आने के बाद राहत और बचाव का काम भी ठीक से नहीं हो पा रहा है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और सड़कों को हुए नुकसान की वजह से राहत सामग्री का पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। वहीं भूकंप के झटकों (आफ्टरशॉक) के डर से हजारों लोग अपने घरों को छोड़कर सड़कों पर ही सोए। यूएन ऑफिस फॉर कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमनिटेरियन अफेयर्स के मुताबिक घरों को हुए नुकसान और भूकंप के झटकों के डर से बहुत लोगों की हिम्मत घर के अंदर जाने की भी नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने घर के बाहर ही रात काटी। कई सड़कों और पुलों को भी नुकसान हुआ है जिसकी वजह से आना-जाना मुश्किल हो रहा है। घायल लोगों तक दवाइयां पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। हाइवे पर दरारें पड़ने की वजह से बसों को भी रोक दिया गया है।

भारत ने भी 15 टन राहत सामग्री पहुंचाई

भारत ने भी 15 टन राहत सामग्री पहुंचाई म्यांमार पहुंचाई है और आपातकालीन मिशन 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत बचाव दलों के साथ हवाई और समुद्री मार्ग से और आपूर्ति भेजी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने म्यांमा के सैन्य जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की और कहा कि भारत उनके देश में आए भीषण भूकंप से मची तबाही से निपटने के प्रयासों में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। भारत ने म्यांमा के लिए अपने बचाव अभियान को ऑपरेशन ब्रह्मा नाम दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों पर भड़का ईरान कहा- अमेरिका का एक भी ठिकाना नहीं बचने देंगे

तेहरान ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को धमका रहे हैं। ईरान ने कई बार मामले को टालने की कोशिश की। इसके बाद भी अमेरिका धौंस दिखाने से बाज नहीं आ रहा है। इस ईरान ने भी साफ कह दिया कि ईरान को इतना कमजोर न समझें, अमेरिका का एक भी ठिकाना नहीं बचने देंगे। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि तेहरान को धमकाना बंद कर दीजिए। उन्होंने कहा कि ईरान पर हमला हुआ तो अमेरिका और उसके सहयोगियों के ठिकाने भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। ईरानी नेता की यह धमकी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका ने अपने सैन्य संसाधन ईरान के करीब पहुंचाने की बात कही है। गलीबाफ ने इजरायल को भी घेरा है और उसे लेबनान में हवाई हमले रोकने के लिए कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने तेहरान यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल कुद्स डे पर बोलते हुए अमेरिका की ओर से आ रही धमकियों पर बात की। उन्होंने कहा, अगर वे ईरान को धमकी देते हैं तो समझ लें कि वो भी बारूद के ढेर पर हैं। ईरान पर हमला हुआ तो पूरे क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी असुरक्षित हो जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान की ओर से इराक, खाड़ी देशों और सीरिया में अमेरिकी सेना को निशाना बना सकता है। अमेरिका के कुवैत, कतर, बहरीन और यूएई में ठिकाने हैं।

इराक और सीरिया में भी अमेरिकी सेना मौजूद है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप परमाणु कार्यक्रम और यमन के हूती मुद्दे पर लगातार ईरान को धमका रहे हैं। ये भी दावा किया गया है कि अमेरिका ने अपने कम से कम चार बी-2 बमवर्षक विमानों को हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया भेजा है। इसके जवाब में ईरान से प्रतिक्रिया आ रही है। गलीबाफ ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये को एक धमकाने वाला कहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी ईरानी राष्ट्र को धमका नहीं सकता है। गलीबाफ ने इजरायल की भी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की शह पर इजरायल अत्याचार कर रहा है।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया भारतीय नव वर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

विक्रमी सम्वत केवल एक तिथि नहीं श्रेष्ठ भारतीय परम्परा की धारणा है: डा. पाल

गुरुग्राम ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक डॉ. सुरेंदर पाल ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारम्भ हो रहा विक्रमी सम्वत केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि यह एक श्रेष्ठ संस्कृति, भारतीय परम्परा, मूल्य आधारित जीवन की धारणा है। भारत के ऋषियों ने वैज्ञानिक आधारित गणना के आधार पर भारतीय नव वर्ष का निर्धारण किया है। यह नव वर्ष प्रारम्भ होते ही प्रकृति, सृष्टि से लेकर खेत खलियान और आम जन जीवन में नव सृजन का शंखनाद होता दिखाई देता है। वे यहां शनिवार देर शाम गुरुग्राम विश्वविद्यालय एवं वसुधैव संस्कृति सहयोग फाउंडेशन के तत्वावधान में भारतीय नव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बोल रहे थे।

इस हिन्दू नव वर्ष उत्सव में जहां भारत के विभिन्न राज्यों के कलाकारों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्र प्रस्तुत किये गए, वहीं सिद्दार्थ मोहन और रैप्परिया बालम जैसे चोटी के कलाकारों ने भी लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। आरएसएस प्रान्त प्रचारक डॉ. सुरेंदर पाल ने भारतीय नव वर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्री राम जी व महाराज युधिष्टिर का राज्य अभिषेक भी इसी दिन हुआ था। ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना चैत्र शुल्क प्रतिपदा को ही की गई थी। आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद जी ने आर्य समाज की स्थापना जैसे अनेक ऐसे ऐसे कारण ह, जो इस नव वर्ष को सार्थक करता है। नव रात्रों का प्रारम्भ भी इसी पवित्र दिन से होता है। उनके अनुसार आरएसएस संस्थापक डॉ. केशव राम बलिराम हेडगेवार जी का भी जन्मदिन इसी पावन दिवस पर हुआ।

डॉ. सुरेंदर पाल ने आह्वान किया कि आरएसएस स्थापना के शताब्दी वर्ष में सम्पूर्ण समाज के साथ पांच विषय पर कार्य करने का संकल्प लिया। उनके अनुसार सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी जीवन शैली व मूल्य आधारित परिवार की संरचना पर सम्पूर्ण समाज को एक निष्ठ होकर कार्य करने की आवश्यकता है। यह भारत की ही जीवन शैली व अपने विचार के प्रति समर्पण से अनेक आक्रमण होने बाद भी सर्वे भवन्तु सुखिन= के सिद्धांत को कोई भी आक्रमणकारी समाप्त नहीं कर पाया। भारतीय नववर्ष स्वागत उत्सव कार्यकर्म में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर, प्रान्त कार्यवाहक प्रताप, शिक्षाविद् डॉ. अशोक दिवाकर, रामगोपाल धानुका, श्रीकृष्ण सिंगला, कमलेश अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह एवं भारतीय ज्ञान एवं भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो.राकेश कुमार योगी समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

बचपन

बायां कान छू लिया तो हो गया एडमिशन

बहुत साल पहले की बात है। उस समय में जन्मदिन तिथियों के तौर पर याद रखे जाते थे। तिथियां बदलती थीं तो बच्चे की ठीक-ठीक आयु बता पाना मुश्किल होता था। अब स्कूल कब भेजें, किस उम्र में, यह सवाल उठा, तो हमारे ज्ञानी गुरुजनों ने इसका एक तरीका निकाला। स्कूल में दाखिले के समय बच्चे से कहा जाता कि अपने दाएं हाथ को सिर के ऊपर से ले जाते हुए बायां कान छुओ। अगर बच्चा ऐसा कर पाता तो उसे दाखिला मिल जाता। यह मामूली टेस्ट नहीं है। समझदारी का बिलकुल सरल परीक्षण है।

बच्चे की समझ और उसके शरीर व मस्तिष्क की परिपक्वता को देखते हुए ही उसका किसी स्कूल में दाखिला कराया जाता था। समझ को देखते हुए विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग क्लासेस होती हैं। केजी 1, केजी 2, फिर पहली कक्षा और इसी तरह दूसरी, तीसरी और आगे की तमाम कक्षाएं।

दरअसल, कक्षाओं पर आधारित शिक्षा का मकसद होता है कि विद्यार्थी जो भी सीखें उसे एक सिलसिलेवार तरीके से सीखें। अलग-अलग कक्षा के होने से हमें उसी के अनुरूप या फिर यूं कहें कि समकक्ष संगी-साथी मिलते हैं। सोचो, अगर आपको पहली कक्षा में न बैठाकर सीधे आठवीं या दसवीं कक्षा के विद्यार्थी के साथ बैठा दिया जाए तो कैसा लगेगा? विभिन्न कक्षाओं के होने से कोई भी बच्चा क्रमश धीरे-धीरे चीजों को सीखता है। कक्षाएं होने से विद्यार्थी की समझने की क्षमता के अनुरूप ही विषय सामग्री बनाई जाती है, ताकि उस विषय सामग्री यानी किताबें, कोर्स आदि उस दरे के बच्चे को समझने में दिक्कत न करें। कक्षाओं के होने से आपको एक फायदा भी है। आपके पड़ोस में रह रहे राहुल को भी वहीं चीजो पढ़नी होती हैं। भले ही वो आपसे पढ़ने में कितना ही तेजी से क्यों न हो। इस तरह आप अपनी ही आयु के अन्य बच्चों से काफी कुछ सीख भी सकते हैं। अपनी ही आयु के बच्चों के साथ एक क्लास में बैठने से खुद को सहज भी महसूस करते हैं। यानि क्लास रूप वो स्थान है जहां सभी एक आयु के, एक-सा कोर्स पढ़ने वाले और एक सी ही परीक्षा देने वाले, कोई बड़ा-छोटा नहीं, कोई भेदभाव नहीं।

पेड़ पौधे भी देते हैं सीख

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारें सब शामिल हैं। ये सभी हमें जीवन देते हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये भी हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। बिना कुछ कहे ही ये हमें सब कुछ बताते हैं बस जरूरत है तो उन्हें समझने की।

धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं।

पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ के फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं। इस तरह से ये हमें सुरक्षा और परोपकार की सीख देते हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी इन्हें खुद पर और अपनी काबलियत पर नाज होता है। यानि आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं। पेड़ो से आप ये चार चीजें और भी सीख सकते हैं। ऑक्सीजन आपको जीवन देती हैं परन्तु यदि आपमें आत्मनिर्भता, सुरक्षा जैसे गुण आ जाएं तो आप अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

पहेलियां

1. मूझमें भार सदा ही रहता
   जगह घेरना मुझको आता
   हर वस्तु से गहरा रिश्ता
   हर जगह मैं पाया जाता।
2. ऊपर से नीचे बहता हूं
   हर बर्तन को अपनाता हूं
   देखो मुझको गिरा न देना
   वरना कठिन हो जाएगा
   भरना।
3. लोहा खींचू ऐसी ताकत है
   पर रबड़ मुझे हराता है
   खोई सूई में पा लेता हूं
   मेरा खेल निराला है।

उत्तर
1. गैस, 2. द्रव्य, 3. कांच

जैरी भाग, टॉम आया, टॉम बच, जैरी आया

टॉम हो या जैरी, दोनों एक-दूसरे के पीछे पड़े रहते हैं। दोनों किसी का कुछ बिगाड़ना नहीं चाहते, बस, छीनना चाहते हैं, तो एक-दूजे का सुकून। यानि बस तंग करना ही मकसद है। इनके खेल बड़े मज़ेदार होते हैं। आपको भी पंसद हैं न। तो चलिए, कुछ जानते हैं इनके बारे में –

गर्मी के दिन थे। जैरी अपने घर में चादर ओढ़े आराम से सो रहा था। तभी उसके नाक में पनीर की खुशबू ने प्रवेश किया। पनीर उसे बहुत पसंद था, वह पलंग से उछल पड़ा और उस दिशा में चल पड़ा, जहां से खुशबू आ रही थी। अपने घर के छोटे-से दरवाजे से निकलते ही उसे सामने पनीर का एक बड़ा टुकड़ा दिखाई दिया। वह खुशी से उछल पड़ा, हुररर्..। उसके मुंह से लार टपकने लगी। जैसे ही उसने टुकड़े की ओर हाथ बढ़ाया, वैसे ही पीछे से टॉम ने उसे पकड़ लिया। जैरी समझ गया था कि टॉम ने ही उसे पनीर का लालच देकर फंसाया है। टॉम ने जैसे ही जैरी को खाने के लिए अपना मुंह खोला, जैरी ने उसके मूंछों के बालों को ज़ोर से खींच दिया। दर्द के कारण जैरी के हाथों से टॉम छूट गया। जैरी भागा और टॉम भी उसके पीछ-पीछे भागा। इस तरह फिर से शुरू हो गया चूहे-बिल्ली का वह खेल, जिसके करोड़ो बच्चे दीवाने हैं।

टॉम एंड जैरी का जन्म

जोसफ बारबेरा बैंकिंग हमेशा कागज़ों पर आड़ी-तिरछी लकीरें खींचकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश किया करते थे। हालांकि, उनका मकसद बैंकिंग के क्षेत्र में काम करने का था लेकिन उनको काटरून बनाने का भी काफी शौक था। उनके काटरून जल्द ही पत्र-पत्रिकाओं में छपने भी लगे। 1930 के दशक के आखिरी में मैट्रो गोल्डवेन मेयर फिल्म स्टूडियो में उनकी मुलाकात हाना से हुई। इसी मुलाकात में दोनों ने एक ऐसा कार्टून सीरियल बनाने का सोचा, जो एक घरेलू बिल्ली और एक चूहे के बीच लगातार चलने वाली दुश्मनी पर केन्द्रित हो। इसी सोच के साथ उन्होंने टॉम एंड जैरी काटरून पात्रों को छोटे पर्दे पर साकार किया।

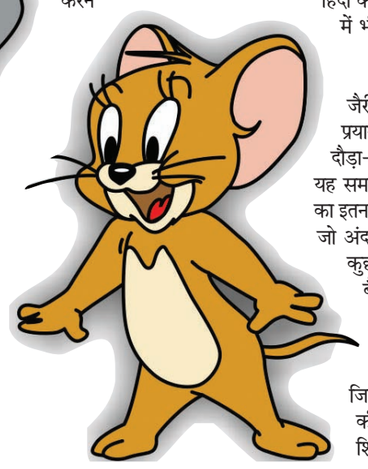

जोसेफ-हाना की जोड़ी ने 17 साल के सफर में टॉम एंड जैरी सीरीज़ के लिए सात ऑस्कर पुरस्कार हासिल किए और कुल 14 बार इन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

मज़ेदार है चूहे-बिल्ली की यह खेल

एक शरारती चूहा और एक खुराफाती बिल्ली, अगर एक ही घर में हों, तो दिलचस्प घटनाओं की भरमार हो जाती है। टॉम एंड जैरी के द्वारा एक दूसरे का पीछा करने और आपसी लड़ाई में हास्यास्पद भिड़ंत शामिल है। इसी कारण 70 सालों से लेकर आज तक यह दुनियाभर में न केवल बच्चों द्वारा बल्कि उनके अभिभावकों द्वारा भी पसंद किया जाता है। भारत में इसकी लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि टॉम एंड जैरी के कार्यम हिंदी के साथ ही अंग्रेजी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में भी प्रसारित किए जाते हैं।

आखिर यह भाग-दौड़ क्यों?

प्रत्येक कार्टून फिल्म की कहानी आमतौर पर जैरी को पकड़ने के लिए टॉम के अनगिनत प्रयासों और उसके कारण हुई हाथापाई और दौड़ा-भागी पर आधारित होती है। इनको देखकर यह समझना मुश्किल है कि आखिर ?यों टॉम, जैरी का इतना अधिक पीछा करता है। काटरून को देखकर जो अंदाज़ा लगाया जा सकता है, उसके हिसाब से कुछ कारणों में एक बिल्ली का एक चूहे के साथ बैर, अपने मालिक के आदेश का पालन, टॉम को सौंपे गए कार्यों को जैरी द्वारा बिगाड़ने की कोशिश, जैरी द्वारा टॉम के मालिक का भोजन खा जाना, जिसकी निगरानी का जिम्मा टॉम को सौंपा गया है, दूसरे को चिढ़ाने की भावना, जेरी द्वारा टॉम के अन्य संभावित शिकारों (जैसे कि बतख, चिड़िया या मछली) को खाए जाने से बचाना, दूसरी बिल्ली से प्रतिस्पर्धा आदि शामिल हैं।

थोड़ी तकरार-थोड़ा प्यार

ऐसा नहीं है कि यह जोड़ी हमेशा लड़ाई ही करती रहती है, कभी-कभी ये दोनों वास्तव में एक-दूसरे के साथ अच्छी तरह व्यवहार करते भी दिखाई देते हैं। 'जैरी एंड द लॉयन' में जब जेरी को एक शरारत सूझती है और वह मरने का नाटक करने लगता है, जिससे कि टॉम यह सोचे कि उसने जैरी को गोली मार दी है। जैरी को लेटा देखकर टॉम प्राथमिक चिकित्सा किट लेकर दौड़ता हुआ आता है। इससे पता चलता है कि टॉम और जैरी में तकरार के बाद भी प्यार छिपा हुआ है। साथ ही दिलचस्प बात यह है कि कई सारे चित्रों में भी टॉम तथा जैरी एक दूसरे पर मुस्कुराते हुए दिखाए गए हैं, जो प्रत्येक काटरून में दूसरे पर प्रदर्शित अत्यधिक झुंझलाहट के बजाय प्यार-तकरार का रिश्ता अंकित करता है।

जैरी की चालाकी और किस्मत की वजह से टॉम शायद ही कभी जैरी को पकड़ने में सफल हो पाएगा, लेकिन इतना तो अवश्य है कि इन दोनों के दौड़-भाग का यह खेल हमेशा लोगों को गुदगुदाता रहेगा।

टॉम एंड जेरी कौन हैं?

टॉम का असली नाम थॉमस है, जो कि नीली-स्लेटी आंखों वाला ब्रिटिश घरेलू बिल्ला है। जैरी भूरे रंग का छोटा-सा चूहा है। शुरुआती कहानियों में टॉम का नाम जैस्पर और जैरी का जिंक्स था। टॉम को गुस्सा जल्दी आता है, जबकि जैरी अवसरवादी और खुशदिल है। वैसे तो कहा जाता है कि बिल्लियां बड़ी चालाक होती हैं, लेकिन टॉम और जैरी की कहानी में टॉम की हर फुर्ती को जैरी का दिमाग बड़ी आसानी से हरा देता है। हालांकि, हर कहानी में जीत जैरी की होती है लेकिन कहीं अगर जैरी अपनी सीमाएं तोड़ देता है, या कहीं किसी बुराई का साथ दे बैठता है, तो टॉम की विजय भी होती दिखाई देती है।

मनोविज्ञानी कहीं-कहीं इस चूहे-बिल्ली की कहानी को महज़ शरारत नहीं मानते। यह दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कहानी भी बन जाती है। उनका कहना है कि बच्चों को सिर्फ शो का मज़ा लेना चाहिए। किसी भी तरह से ऐसे खेलों को अपने दोस्तों या बच्चों के साथ नहीं खेलना चाहिए। टॉम एंड जैरी के खेल काल्पनिक हैं, इनकी नकल करना घातक हो सकता है।

जाने डॉल्फिन के बारे में

डॉल्फिन को हम अक्सर मछली कहते है परन्तु वास्तव में डॉल्फिन एक मछली नहीं है। वह तो एक स्तनधारी प्राणी है। जिस तरह व्हेल एक स्तनधारी प्राणी है वैसे ही डॉल्फिन भी इसी कैटेगरी में आती है। यह एक छोटी व्हेल की ही तरह है। डॉल्फिन का रहने का ठिकाना संसार के समुद्र और नदियां हैं।

डॉल्फिन को अकेले रहना पसंद नहीं है यह सामान्यतः समूह में रहना पसंद करती है। इनके एक समूह में 10 से 12 सदस्य होते हैं। हमारे भारत में डॉल्फिन गंगा नदी में पाई जाती है लेकिन गंगा नदी में मौजूद डॉल्फिन अब विलुप्ति की कगार पर है। डॉल्फिन की एक बड़ी खासियत यह है कि यह कंपन वाली आवाज निकालती है जो किसी भी चीज से टकराकर वापस डॉल्फिन के पास आ जाती है।

इससे डॉल्फिन को पता चल जाता है कि शिकार कितना बड़ा और कितने करीब है। डॉल्फिन आवाज और सीटियों के द्वारा एक दूसरे से बात करती हैं। यह 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तैर सकती है। डॉल्फिन 10-15 मिनट तक पानी के अंदर रह सकती है लेकिन वह पानी के अंदर सांस नहीं ले सकती। उसे सांस लेने के लिए पानी की सतह पर आना पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

जिला कटुआ में ताइक्कांडो चैंपियनशिप 2024-2025 का हुआ समापन

कटुआ। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल और जेके ताइक्कांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला कटुआ ताइक्कांडो एसोसिएशन कटुआ द्वारा जिला खेल स्टेडियम कटुआ में दो दिवसीय चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था जिसका रविवार को समापन हुआ। चैंपियनशिप में लगभग 100 ताइक्कांडो एथलीटों ने भाग लिया। जेएंडके ताइक्कांडो एसोसिएशन के तहत रविवार को कटुआ जिला ताइक्कांडो चैंपियनशिप के समापन काफी रोमांचित रहा। इस चैंपियनशिप ने जिले के खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रदर्शित किया और खिलाड़ियों को चमकने के लिए एक रोमांचक मंच प्रदान किया। प्रथम स्थान विशेष ठाकुर के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया ताइक्कांडो सेंटर कटुआ को मिला और साई इंटरनेशनल दूसरे स्थान पर रहा। चैंपियनशिप का समापन विशेष अतिथि रवि सिंह अंदोत्रा भाजपा मंडल प्रधान (नगरी) द्वारा पुरस्कार वितरित कर किया गया। वहीं पंकज सपोलिया, गुरशरण, हजारा सिंह, गोपाल और आयोजक सचिव पुष्प ठाकुर सहित सहायक टीम और तकनीकी अधिकारियों की मदद से चैंपियनशिप में बड़ी सफलता मिली।

वाराणसी के रोशन मौर्य ने 10 दिन में जीते तीन पदक

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ के पास रहने वाले रोशन मौर्य ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा की चमक बिखेरी है। मात्र 10 दिनों में उन्होंने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। रोशन, काशी विद्यापीठ के छात्र होने के साथ-साथ कराटे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने इससे पहले भी कई पदक जीतकर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। रोशन मौर्य ने हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्वान की-डो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर अपनी सफलता की शुरुआत की। यह प्रतियोगिता 18 से 20 मार्च तक राजस्थान के जे.जे. विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी, जिसमें उन्होंने पुरुष 61 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। इसके तुरंत बाद, उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी अपना दमखम दिखाया। यह प्रतियोगिता 21 से 25 मार्च तक उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने पुरुष 63 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर काशी विद्यापीठ का नाम रोशन किया। हैदराबाद में जीता तीसरा राष्ट्रीय पदक- मेरठ में पदक जीतने के बाद रोशन सीधे हैदराबाद पहुंचे, जहां उन्होंने केआईओ राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

आईपीएल 2025 सीजन का 10वां मुकाबला

दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम ■ एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन का 10वां मुकाबला रविवार को दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया। विशाखापत्तनम के डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में हुए मैच में दिल्ली की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया। आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की यह लगातार दूसरी जीत है, जबकि हैदराबाद की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार दूसरे मैच में हारी है।

मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 163 रन बनाए। टीम के बल्लेबाज पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाए और टीम 18.4 ओवर में ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 16 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की। दिल्ली की टीम 2 मैचों में 2 जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है, जबकि हैदराबाद की टीम 3 मैचों में एक जीत और दो हार के साथ छठे नंबर पर खिसक गई है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने अच्छी शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस और जैक फ्रेजर मैकगर्क ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी की। इस दौरान डुप्लेसिस ने अपना अर्धशतक भी पूरा किया। पचासा जड़ने के बाद अगले ओवर में डुप्लेसिस आउट हो गए। उन्होंने 27 गेंदों में 3 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 50 रनों की पारी खेली। दिल्ली का पहला विकेट गिरने के बाद अगले दो विकेट भी जल्द गिर गए। मैकगर्क 32 गेंदों में 38 रन और केएल राहुल 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अभिषेक पोरेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिला दी। पोरेल ने 18 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 34 रन और स्टब्स ने 14 गेंदों में नाबाद 21 रन बनाए।

इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी करते हुए 163 रन बनाए थे। टीम के बल्लेबाज पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाए और टीम 18.4 ओवर में 163 रन पर ढेर हो गई। हैदरबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले के दौरान ही चार विकेट खो दिए। अभिषेक वर्मा एक रन और ईशान किशन 2 रन बना सके। नीतीश कुमार रेड्डी बिना खाता खोले आउट हो गए, जबकि ट्रेविस हेड ने 12 गेंदों में 22 रन बनाए। इसके बाद युवा खिलाड़ी अनिकेत वर्मा और हेनरिच क्लासेन ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने मिलकर टीम के स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। हैदराबाद का पांचवां विकेट क्लासेन के रूप में गिरा। उन्होंने 19 गेंदों में 32 रन बनाए। यहां से सनराइजर्स की बल्लेबाजी फिर लड़खड़ा गई और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। दूसरे छोर से अनिकेत जरूर पारी को आगे बढ़ाते रहे लेकिन वह भी 74 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने अपनी पारी में 41 गेंदों का सामना किया और 5 चौके और 6 छक्के लगाए। अनिकेत की पारी का अंत होने के बाद टीम पूरे ओवर भी नहीं खेल पाई और 18.4 ओवर में 163 रन पर सिमट गई। पैट कमिंस 2 रन, अभिनव मनोहर 4 रन, हर्षल पटेल 5 रन, वियान मुल्डर ने 9 रन बनाए।

विदेशी खिलाड़ियों को जीआई-पीकेएल में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं : कार्तिक डम्मू

गुरुग्राम ■ एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी सितारे ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 18 अप्रैल से गुरुग्राम में शुरू होने वाला है। पहले सीजन में 12 टीमें (6 पुरुष और 6 महिला टीमें) हिस्सा ले रही हैं। जीआई-पीकेएल के संस्थापक कार्तिक डम्मू ने एक बयान में कहा कि मैं विदेशी खिलाड़ियों को ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।

कबड्डी एक ऐसा खेल है जिसकी जड़ें भारत में हर जगह फैली हुई हैं और इसे वैश्विक स्तर पर फैलते देखना काफी रोमांचक करने वाला है। विभिन्न देशों के एथलीटों के प्रतिस्पर्धा करने से न केवल खेल की तीव्रता बढ़ेगी, बल्कि खेल में नई शैलियां और रणनीतियां भी आएंगी। यह लीग वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी अनुभव की शुरुआत है और मैं इसे देखने के लिए उत्साहित हूं। आईपीकेएल के संस्थापक सोहन तुसीर ने खिलाड़ियों की गुणवत्ता को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि यह लीग दुनियाभर में कबड्डी के नए उभरते सितारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी और उन प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच देगी जो इस मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान जीआई-पीकेएल ने अपनी चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण किया था।

महिला टीमें: हरियाणवी ईगल्स, भोजपुरी लेपर्डेस, मराठी फाल्कन्स, पंजाबी टाइग्रेस, तेलुगु चीतास, तमिल लायनेस।

पुरुष टीमें: भोजपुरी लेपर्ड्स, हरियाणवी शार्क्स, मराठी वल्चर्स, पंजाबी टाइगर्स, तमिल लायंस, तेलुगु पैंथर्स।

बिहार के सब्जी विक्रेता के बेटे ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ केआईपीजी 2025 में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बिहार के हरनौत के एक सब्जी विक्रेता के होनहार बेटे झंडू कुमार ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़कर यहां जारी खेलों इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) 2025 में स्वर्ण पदक जीता है। केआईपीजी के पहले संस्करण में रजत पदक जीतने वाले झंडू कुमार ने अपना खेल करियर हरनौत से ही शुरू किया था और एक रोचक लेकिन संघर्ष भरे सफर के बाद वह गांधीनगर स्थित साई एनसीई पहुंचे और फिर मशहूर पैरा कोच राजिंदर सिंह रहेलू की देखरेख में अपनी प्रतिभा की चमक दिखानी शुरू कर दी।

28 साल के झंडू कुमार के दोनों पैर जन्म से ही पोलियोग्रस्त हैं। उन्होंने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में स्थित वेटलिफ्टिंग हाल में 72 किग्रा कटेगरी में 206 किग्रा वजन के साथ अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने नोएडा में 17-18 मार्च को आयोजित पैरा नेशनल चैंपियनशिप में 205 किग्रा वजन के साथ हरियाणा के सुधीर कुमार का 192 किग्रा का नेशनल रिकार्ड तोड़ा था।

झंडू कुमार 2017 से पहली बार खेलों में आए। शुरुआत में शाटपुट और डिस्कस थ्रो करते थे। साथ ही वह पावरलिफ्टिंग भी

करते थे। तब तक उनको पैरा पावरलिफ्टिंग के बारे में पता नहीं था। एफ-55 कटेगरी में उन्होंने शाटपुट और डिस्कस थ्रो में कई इवेंट्स में हिस्सा लिया और सफलता भी अर्जित की लेकिन उनकी मंजिल कहीं और थी, लिहाजा किस्मत उन्हें उस ओर ले गई।

उन्होंने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि जिला और राज्य स्तर पर शाटपुट और डिस्कस थ्रो में हिस्सा लिया और हर बार स्वर्ण पदक मिला। शुरुआत से उन्हें जिम का शौक था। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में आयोजित राज्यस्तरीय चैंपियनशिप के दौरान किसी ने उन्हें पावरलिफ्टिंग में हाथ आजमाने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने पावरलिफ्टिंग में एबल बाडी आयोजनों में भी हिस्सा लिया।

खिलाड़ी ने कहा कि तब तक मुझे पैरा पावरलिफ्टिंग के बारे में पता नहीं था। फिर अपने बचपन के कोच गौतम सिंह (जो हरनौत में द राकस्टार जिम चलाते हैं) के कहने पर 2022 में ही कोलकाता में मैंने अपना पहला पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट खेला। वहां मैंने 65 किग्रा कटेगरी में 135 किग्रा वजन के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने कहा कि कोलकाता के बाद मैं किसी और चीज के बारे में सोचता ही नहीं था। इसी साल मैंने नई दिल्ली में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लिया लेकिन वहां मेरा एक भी लिफ्ट सही नहीं गया। यही वह इवेंट था, जिसमें रहेलू सर ने मुझे देखा था और कहा था कि मैं जल्द ही तुमको गांधीनगर बुलाऊंगा।

वह बताते हैं कि देश के लिए 2004 एथेंस पैरालंपिक में पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतने वाले कोच रहेलू ने अपना वादा निभाया और 15 दिन के अंदर उन्हें गांधीनगर बुला लिया। पहली बार गांधीनगर पहुंचने पर हुए अनुभव पर झंडू कुमार ने कहा, मुझे लगा कि यह अलग ही दुनिया है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की नई टैक्स नीति से वैश्विक बाजारों पर पड़ेगा बुरा प्रभाव

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को एक नई टैक्स नीति की घोषणा करने की संभावना जताई है, जिससे कि वैश्विक व्यापार और बाजारों में अस्थिरता आ सकती है। यह नीति अमेरिका के घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखती है, लेकिन इससे बहुदेशी व्यापारिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। ट्रंप की योजना के अनुसार अमेरिका के कुछ विशेष व्यापारिक साथियों पर नए टैक्स लगाने की संभावना है, जो अमेरिका के साथ अधिक निर्यात करते हैं। इस निर्णय का असर भारत और अन्य कई देशों पर हो सकता है। भारत अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और अगर इसे नए टैक्स का सामना करना पड़ा, तो इसका निर्यात पर प्रभाव हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था अधिकतर घरेलू मांग पर निर्भर है, तो इसका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहेगा। अमेरिका भारत को हर साल करीब 8 अरब डॉलर के औषधियाँ और 1.5 अरब डॉलर के ऑटो पार्ट्स भेजता है। यदि इस पर अतिरिक्त टैक्स लगा दिया जाता है, तो भारतीय फार्मा और ऑटो कंपनियों को इसका असर महसूस हो सकता है। इस निर्णय से यूरोपियन यूनियन, कनाडा, जापान और मैक्सिको भी प्रभावित हो सकते हैं, जिससे ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में आपूर्ति समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। भारत पर भी इसका असर होने की आशंका है, क्योंकि अमेरिका ने पहले ही ऑटो पार्ट्स पर 25 फीसदी टैक्स लगाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, अन्य क्षेत्रों में भी असर पड़ सकता है। इससे शेयर बाजार में हलचल देखने को मिली है।

भारत में जर्मनी की कंपनी करेगी 1.5 बिलियन डॉलर का निवेश, जमीन की चिह्नित

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की एक रसायन क्षेत्र की कंपनी ने भारत में 1.5 बिलियन डॉलर (लगभग 150 करोड़ डॉलर) का निवेश करने का फैसला किया है। साथ ही एक राज्य ने इसके लिए जमीन भी चिह्नित कर ली गई है। हालांकि मंत्री ने कंपनी का नाम या राज्य का नाम नहीं बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि कंपनी का प्रमुख जल्द राज्य के मुख्यमंत्री से मिलने वाला है। गोयल ने यूनियन इंटरनेशनेल डेस एवोकेट्स के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जमीन का आवंटन उसके हाथ में होगा और हमारे देश में अगले 12 महीनों में डेढ़ बिलियन डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश आएगा। कंपनी एक ऐसी जमीन की तलाश में है, जो लगभग 250 एकड़ की हो और किसी बंदरगाह के पास हो। जर्मनी भारत में नौवां सबसे बड़ा निवेशक देश है। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2024 के बीच देश को लगभग 15 बिलियन डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेशमिला है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक कंपनियां भारत में व्यापार के अवसरों को तलाशने के लिए आ रही हैं।

टॉप 10 में शामिल देश की 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 88 हजार करोड़ की बढ़ोतरी

-एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में पिछले सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 88 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इनमें सबसे अधिक फायदा एचडीएफसी बैंक को हुआ। इसके अलावा टॉप 10 में शामिल 2 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 11 हजार करोड़ रुपये की गिरावट हो गई।

इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के मार्केट कैप में कुल 88,085.89 करोड़ रुपये बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर इंफोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में 11,098.09 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 44,933.62 करोड़ रुपये बढ़ कर 13,99,208.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पर पहुंच गया। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 16,599.79 करोड़ रुपये उछल कर 6,88,623.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 9,063.31 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 13,04,121.56 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 5,140.15 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,52,768.61 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 5,032.59 करोड़ रुपये उछल कर 5,12,828.63 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,796.01 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,30,854.90 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 2,651.48 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 9,87,005.92 करोड़ रुपये के स्तर पर और बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 1,868.94 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,54,715.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

दूसरी ओर इंफोसिस का मार्केट कैप 9,135.89 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,52,228.49 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,962.2 करोड़ रुपये फिसल कर 17,25,377.54 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,25,377.54 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 13,99,208.73 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 13,04,121.56 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,87,005.92 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,52,768.61 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,88,623.68 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,52,228.49 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,54,715.12 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,30,854.90 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,12,828.63 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

एफपीआई का घरेलू शेयर बाजार में लौटा भरोसा, 6 दिन में किया 30,927 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। रुपये की मजबूती, मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर्स में सुधार और मार्केट के आकर्षक वैल्यूएशन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की रुचि एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में लौटती हुई नजर आ रही है। इस महीने के आखिरी छह कारोबारी दिनों के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने स्टॉक मार्केट में करीब 31 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया। एफपीआई द्वारा किया गया ये निवेश भारतीय बाजार में सुधार आने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। डिपॉजिटरी से मिली आंकड़ों के अनुसार मार्च के आखिरी 6 कारोबारी दिनों के दौरान एफपीआई द्वारा किए गए 30,927 करोड़ रुपये के निवेश के कारण उनके द्वारा मार्च के महीने में की गई कुल निकासी का आंकड़ा भी घटकर 3,973 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार में बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी करने की वजह से स्टॉक मार्केट की स्थिति काफी कमजोर हो गई है। मार्च के पहले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से फरवरी महीने के दौरान 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की थी, जबकि जनवरी में निकासी का ये आंकड़ा 78,027 करोड़ रुपये का था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि मार्च के आखिरी दिनों में बाजार में आई तेजी के बावजूद घरेलू निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की आगे की चाल 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रिसिप्रोकल टैरिफ को आखिरी रूप देने के बाद पता चल सकेगी। अगर डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ को लेकर कड़ाई नहीं की जाती है, तो स्टॉक मार्केट की रैली जारी रह सकती है, लेकिन अगर टैरिफ पॉलिसी भारत के हितों के विपरीत रही तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक एक बार फिर बिकवाल की भूमिका में आ सकते हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि लगातार 5 महीने से अधिक समय तक स्टॉक मार्केट में बिकवाली के बाद मार्च के आखिरी दिनों में खरीदारी करने की रणनीति अपना कर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अपनी भूमिका में बदलाव करने का संकेत दिया है।

टेसला कार जलाने से नाराज मस्क डीओजीई को कर सकते हैं बाय-बाय

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

इन दिनों टेसला कार पूरी दुनिया में चर्चित हैं। लेकिन कई जगह इस कार को जलाकर लोग अरबपति एलन मस्क का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम के सबसे चर्चित चेहरे एलन मस्क दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में लगातार चर्चा में बने रहते हैं। हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लिए लोगों का निशाना बन रहे मस्क ने संकेत दिया है कि वह मई के अंत तक अपना काम खत्म करके इस भूमिका से हट सकते हैं।

डोजे के प्रमुख के रूप में एलन मस्क ने दावा किया है कि उन्होंने अमेरिकी प्रशासन की इतनी खामियों को उजागर करके सुधारने का काम किया है कि इससे अमेरिका को 1 ट्रिलियन डॉलर का फायदा होगा। आपको बता दें कि एलन मस्क का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरे अमेरिका में उन पर हजारों लोगों को नौकरी से निकाल देने का आरोप लग रहा है। उनके खिलाफ उमड़ते इस गुस्से का सामना उनकी कंपनी की टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों को करना पड़ रहा है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप से लेकर प्रशासन के सभी लोगों ने टेस्ला का समर्थन किया है और उसके खिलाफ हमला करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की घोषणा की है लेकिन तब भी टेस्ला पर हमले जारी हैं।

एक इंटरव्यू में मस्क ने बताया कि वह लगातार अमेरिका की बैलेंस शीट को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं और जल्दी ही अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं। मस्क ने कहा कि अगर हम इसी रफ्तार से आगे बढ़ते रहे तो जल्दी ही आप देखेंगे कि अमेरिका का वार्षिक घाटा आधा हो जाएगा।

टेस्ला सीईओ ने कहा कि हमारी प्रतिदिन 4 बिलियन डॉलर के घाटे को कम करने के औसत को लेकर काम करती है। इस तरह से हम ज्यादातर काम 130 दिनों के भीतर पूरा कर लेंगे। मस्क ने अपने काम को लेकर कहा कि अगर हम यह नहीं करते तो जल्द ही अमेरिका दिवालिया होने की कगार पर आ जाता।

डोजे प्रमुख ने अपनी टीम के साथ मिलकर अपने प्रयासों को बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि सरकार पर बहुत ज्यादा बोझ है, बजट का एक बहुत बड़ा हिस्सा अपव्यय और धोखाधड़ी की वजह से खर्च हो जाता है। हम उस धोखा धड़ी को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हम बिना किसी सरकारी सेवा को प्रभावित किए बिना 15 प्रतिशत की कटौती कर सकते हैं। मस्क ने 130 दिनों के भीतर अपने काम को खत्म करने की बात कही है। इसका मतलब यह है कि मई के अंत तक टेस्ला सीईओ डोजे प्रमुख की भूमिका में अपने काम को खत्म कर सकते हैं। उसके बाद डोजे का भविष्य क्या होगा इसके ऊपर सवालिया निशान लगा हुआ है।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिए आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित हैं?
2. डाक्टरों और वैद्य-हकीमों का इलाज करा-करा कर थक गए हैं?
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो गया है?

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आएं और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिक अमृत दर्शन
6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003
मो. 9827054436

विक्रमोत्सव-2025 पर कोटि सूर्योपासना, राज्यमंत्री बोले

प्राचीन भारत में ऋषि-मुनि करते थे ग्रह-नक्षत्रों की सटीक गणना

रायसेन, निप्र। रायसेन के वन परिसर में रविवार को विक्रमोत्सव-2025 के तहत कोटि सूर्योपासना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल और कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में एसपी पंकज पांडे और जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया भी मौजूद रहीं। स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल ने हिन्दू नववर्ष और गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज से नया विक्रम संवत् शुरू हो रहा है।

राज्यमंत्री ने बताया कि विक्रम संवत् सम्राट विक्रमादित्य की विजय के उपलक्ष्य में शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य पराक्रमी और न्यायप्रिय शासक थे। उनके शासनकाल में भारत और पड़ोसी देशों में उनकी प्रतिष्ठा स्थापित हुई। विक्रमादित्य का काल न्याय, धर्म, कला और संस्कृति के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल के विद्यार्थियों ने सम्राट विक्रमादित्य नाटक का मंचन किया। जिला पंचायत सीईओ ने कोटि सूर्योपासना कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पीएम के मन की बात का प्रसारण, रतनपुर में प्रदेश संगठन महामंत्री शर्मा ने ग्रामीणों के साथ सुना कार्यक्रम

रायसेन, निप्र। रायसेन के खरवई मंडल के बूथ क्रमांक 118 रतनपुर गांव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 120वें एपिसोड का प्रसारण किया गया। इसमें प्रदेश भाजपा संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने ग्रामीणों के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम के बाद शर्मा भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे, यहां कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल भी मौजूद रहे।

पीएम ने देशवासियों के लिए दी शुभकामनाएं: इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में चैत्र नवरात्र और गुड़ी पाड़वा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों को गर्मी की छुट्टियों के लिए विशेष सुझाव दिए। पीएम ने कहा कि छात्र जीवंत गांव अभियान से जुड़कर सीमावर्ती गांवों का अनूठा अनुभव ले सकते हैं। साथ ही अंबेडकर जयंती पर पदयात्रा में भाग लेकर संविधान के मूल्यों के प्रति जागरूकता फैला सकते हैं। पीएम ने लोगों से अपनी छुट्टियों के अनुभवों को साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन अनुभवों को आगामी मन की बात में शामिल किया जाएगा। उन्होंने देशवासियों से योग को अपने जीवन में शामिल करने की अपील भी की।

जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत

अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों के साथ आमजन ने की तालाबों और नदियों की सफाई

रायसेन, निप्र। रायसेन जिले में रविवार को जल संरक्षण और संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत हुई। इस अभियान में सभी नगरीय निकाय और ग्राम पंचायतें शामिल हुईं।

सांची जनपद के ग्राम रतनपुर बुद्धा में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा ने अभियान का नेतृत्व किया। जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया भी मौजूद रहीं। स्थानीय लोगों ने तालाब के गहरीकरण के लिए श्रमदान किया।

सिलवानी जनपद की ग्राम पंचायत जूनिया में भी विशेष गतिविधियां हुईं। यहां स्थानीय प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने नदी की सफाई की। साथ ही नदी के दोनों किनारों पर जल कटाव को रोकने का काम शुरू किया गया।

जिले के गैरतगंज, बेगमगंज, गौहरगंज, बाड़ी, बरेली और सांची में भी अभियान की शुरुआत हुई। हर जगह जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, समाजसेवियों और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों ने तालाबों, जलाशयों और बावड़ियों की सफाई की। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के लिए श्रमदान किया।

सिंधी समाज ने निकाली शोभायात्रा

भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव मनाया, 25 बच्चों का जनेऊ संस्कार

इटारसी, निप्र। इटारसी में सिंधी समाज ने चेटीचंड पर्व पर भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। पूज्य पंचायत सिंधी समाज झूलण सेवा समिति के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

समाज के गोपाल सिधवानी ने बताया रविवार सुबह कार्यक्रम की शुरुआत 25 बच्चों के जनेऊ संस्कार से हुई। इसके बाद बहाराणा साहब का निर्माण किया गया और भजन कीर्तन का आयोजन हुआ।

वाहन रैली सिंधी कालोनी से निकलकर नगर भ्रमण के बाद वापस सिंधी कालोनी पहुंची। दोपहर 2 बजे से भंडारे का आयोजन शुरू हुआ जो शाम 5 बजे तक चला।

शाम को निकली शोभायात्रा: इसके बाद झूलेलाल मंदिर से शिम 5 बजे शोभायात्रा निकाली गई रात 8 बजे जयस्तंभ चौक शोभायात्रा पहुंची। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। शोभायात्रा सिंधी कॉलोनी से शुरू होकर एसबीआई चौराहा, रेस्ट हाउस, चिकमंगलूर चौराहा होते हुए जयस्तंभ चौक तक पहुंची।

समाज के प्रमुख सदस्य धर्मदास मिहानी, मनीष सेतपलानी ने बताया कि शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में ज्योत विसर्जन के लिए सभी नर्मदापुरम के सेठानी घाट की ओर रवाना हुए।

जिले में गेहूं खरीदी कार्य सुचारू रूप से जारी

नर्मदापुरम। शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में 15 मार्च से जिले के ई उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत 63554 किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है। आज दिनांक को 1024 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किया गया एवं 929 मी.ट स्कंद का उपार्जन हुआ। जिला आपूर्ति अधिकारी रश्मि साहू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिले में स्थापित 166 उपार्जन केन्द्रों पर आज दिनांक तक कुल 5721 किसानों के द्वारा अपना स्लॉट बुक किया गया है तथा 467 किसानों से 5387 मीट्रिक टन की खरीदी की जा चुकी है। जिसकी भुगतान योग्य राशि 14.00 करोड़ है। उन्होंने बताया कि परिवहन व्यवस्था को भी सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें कुल उपार्जित स्कंद के विरुद्ध 4838 मीट्रिक टन (95%) मात्रा का परिवहन किया जा चुका है।

एफ एल एन मेला का आयोजन

बनखेड़ी, निप्र। तहसील के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बाचावानी के शासकीय शाला में शासन के दिशानिर्देश अनुसार दूसरे चरण का मेला का उद्देश्य बच्चों को खेल के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने योग्य बनें और स्वास्थ्य लाभ शरीर को सुरक्षित रखने की गतिविधियों को बताया प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने भाग लेकर खुश हुएं व्यंजन को सुरक्षित और गणित कैसे सीखना है बच्चियों से रस्सी कूद कदम उठा कर कूद का खेल बच्चों के द्वारा बहुत ही तरीके से मेले की गतिविधियों को समझ और प्रैक्टीकल किया इस दौरान शाला से प्रधान पाठक श्रीमती सुषमा दुबे श्रीमती ज्योति पाल श्रीमती सीमा मैडम श्रीमती प्रमिला पटेल और रसोइया बहनों एवं बच्चों के माता-पिता मौजूद रहे ।

पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे सर्व दलीय नेता

माखननगर, निप्र। देश के कद्दावर नेता रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री शरद यादव के बड़े भाई जिला शिक्षा अधिकारी रहे सत्येन्द्र प्रसन्न सिंह यादव के दिवंगत होने पर ग्राम आँखमऊ में परिजनों द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अनेक विभिन्न दलों के नेता सामिल हुए और दिवंगत यादव के चित्र पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया ।

श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, विधायक विजयपाल सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत पांडे, प्रदेश महासचिव राजकुमार उपाध्याय, कांग्रेस नेता पुष्पराज पटेल, मधुसूदन यादव, कुलदीप मिश्रा, रमेश तिवारी, शैलेन्द्र गोयल, अरविन्द सिंह सोलंकी, मोहन सोनी सहित अनेक सामिल थे ।

ग्राम डूडा देह में वन विभाग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया

नर्मदापुरम। गत दिवस ग्राम डूडा देह, तहसील सोहागपुर में अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर श्री अनिल जैन के निर्देशन में राजस्व दल, वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्यवाही से वन विभाग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया। उक्त भूमि पर कुछ लोगों द्वारा झोपड़ी बनाकर एवं फसल बोकर कब्जा किया गया था। प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए उन झोपड़ियों से सामान निकालकर वाहन के द्वारा अन्य स्थान पर भेजा गया और भूमि को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त किया गया। इसके बाद वन विभाग को इस भूमि का आधिकारिक कब्जा सौंप दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं पुलिस बल मौजूद रहे, जिन्होंने अतिक्रमण को निष्क्रिय करने और भूमि को वन विभाग के

तीन मकानों में भीषण आग, एक व्यक्ति की मौत

इटारसी। यहां के नेहरुगंज क्षेत्र में रात्रि करीब साढ़े 3 बजे आग लगने से तीन मकान जल गये। इनमें से एक मकान पूरी तरह जल गया। आगजनी की इस घटना में एक दिव्यांग व्यक्ति की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर दमकल ने पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा और टीआई गौरव सिंह बुंदेला भी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। आग लगने पर मोहल्ले के लोगों ने शुरुआती मदद करते हुए लोगों को बाहर निकाला। आग में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है, राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया है।

शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब साढ़े 3 बजे आग पहले राजेंद्र सिंह राजपूत के कच्चे मकान में लगी और फिर पड़ोस के ही दो अन्य अधिवक्ता रवि सावदकर और अजय गंगराड़े के मकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग पर काबू पाने के लिए इटारसी, होशंगाबाद और ऑर्डनेंस फैक्ट्री से फायर ब्रिगेड की गाडियां पहुंची। इन

सभी ने कुल 20 फेरे लगाए, तब कहीं जाकर आग पर काबू पाया जा सका। इसमें करीब तीन घंटे का वक्त लगा।

आग में जलकर दिव्यांग की मौत: राजेंद्र सिंह राजपूत की बेटी नंदिनी ने बताया, आग सबसे पहले उनके पिता राजेन्द्र सिंह राजपूत के कमरे में लगी। वे सो रहे थे, दिव्यांग होने से वे भी समय पर निकल नहीं सके। जब तक हम उनको निकालने पहुंचते, आग पूरे कमरे में फैल चुकी थी। लपटों ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हमें सिर्फ उनकी बचाओ-बचाओ की आवाज ही सुनाई दे रही थी। हमने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन बचा नहीं सके। पीछे से निकलकर हमने मोहल्ले वालों को आवाज दी फिर सभी ने मिलकर आग बुझाने की कोशिश की।

रात में सबको खबर की: सामने ही रहने वाले सर्व ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र ओझा ने बताया कि आग की घटना रात 3 से साढ़े तीन बजे के बीच की है। बिजली आना-जाना कर रही थी, वे गैलरी में आए तो देखा कि राजेन्द्र सिंह राजपूत के मकान के निचले हिस्से में आग लगी। उनके पैरों में गैंगरीन थी, वे भाग नहीं सके और आग इतनी फैल चुकी थी कि बच्चे भी उनको नहीं निकाल सके। बच्चों ने बमुश्किल पीछे के दरवाजे से भागकर अपने को बचाया। उन्होंने सबसे पहले दमकल को खबर की, फिर टीआई गौरव सिंह बुंदेला को कॉल किया। विद्युत मंडल फोन लगाया, जहां किसी ने नहीं उठाया।

सरस्वती पूजन, ब्रह्मध्वज स्थापना एवं वंदन के साथ आयोजित हुआ विक्रमोत्सव 2025 कार्यक्रम

नर्मदापुरम, निप्र। जिला मुख्यालय पर धूमधाम से आयोजित विक्रमोत्सव 2025 कार्यक्रम ने विक्रम संवत की महत्वता को प्रकाशित किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर सुसोनिया मीना एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव ने माता सरस्वती की पूजन के बाद दीप प्रज्वलन किया और ब्रह्मध्वज की स्थापना एवं वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान भारत का नव वर्ष विक्रम संवत पुस्तिका का वितरण किया गया। पुस्तिका में विक्रम संवत के इतिहास, महत्व और इसकी गणना के बारे में जानकारी दी गई। यह पुस्तिका कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को वितरित की गई।

इस अवसर पर साथी जन शिक्षण एवं संस्कृति समिति नर्मदापुरम द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित एक नाट्य प्रस्तुति भी की गई। नाटिका के माध्यम से बताया गया कि कैसे और कब महाराजा विक्रमादित्य ने नव संवत्सर की शुरुआत की थी। विक्रम संवत का भारतीय कालगड़ना में विशेष स्थान है। यह भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का एक अहम हिस्सा है और सम्राट विक्रमादित्य द्वारा प्रारंभ किया गया था। भारतीय नववर्ष की शुरुआत विक्रम संवत से होती है। यह कैलेंडर भारतीय परंपरा, कृषि और सामाजिक जीवन से जुड़ा हुआ है और विभिन्न पर्वों और उत्सवों का निर्धारण इसी पर आधारित है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, महेंद्र यादव, विकास नारोलिया, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, अनुविभागीय अधिकारी नर्मदापुरम श्रीमती नीता कोरी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमेश्वरि पटले, पार्षदगण सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

किसानों की सुविधा के लिए सभी मूलभूत आवश्यक व्यवस्था किये जानें के दिए निर्देश

नर्मदापुरम। संयुक्त संचालक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल म.प्र. श्री हरेन्द्र सिंह, एवं जिला स्तरीय उपार्जन समिति द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले में चल रही गेहूँ उपार्जन का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें सेवा सहकारी समिति चौतलाय द्वारा संचालित शासकीय गोदाम हथनापुर तहसील सिवनीमालवा का निरीक्षण किया गया है निरीक्षण के दौरान किसानों की सुविधा हेतु उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए उपार्जन केन्द्रों पर पेय जल, तिरपाल, पंखा, शौचालय एवं बैठने हेतु छाव की व्यवस्था संबंधी उपलब्धता पाई।

बोहरा समाज ने मनाई ईद, मांगी देश की उन्नति की दुआ

सोहागपुर, निप्र। बोहरा समाज सोहागपुर द्वारा रविवार को मस्जिद में ईद मनाई गई। समाज से डॉक्टर ज़ोएब अली ने बताया कि ईद की नमाज़ बोहरा जमाली मस्ज़िद में सभी सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में अता की गई। इमाम साहब मुल्ला हातिम मानक ने ईद का कुतबा पढ़ाया।

सभी ने इस दौरान देश की उन्नति एवं देश में अमन सुकून की स्थापना की दुआ नमाज के दौरान मांगी। इस दौरान शेख शब्बीर भाई, मल्ला मुफद्दल, डॉक्टर ज़ोएब अली, अब्बास अली, अली असगर अली, मुर्तज़ा अली, जुज़ार

अली, युसूफ अली व अन्य सामाजिक नागरिक उपस्थित थे। समस्त क्षेत्रवासियों ने बोहरा समाज को ईद पर्व की शुभकामनाएं दी हैं।

घंटे घड़ियाल शंख बजाकर ढोल बाजों पटाखे चलाकर किया नव संवत का स्वागत

मंदिर में पूजा अर्चना कर नव वर्ष का किया स्वागत

सिवनी मालवा, निप्र। चैत्र नवरात्र गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा प्रात: से ही नागरिकों को तिलक लगाकर मीठी नीम भेट कर मीठी ठंडाई पिलाकर नव वर्ष की बधाई शुभकामनाएं देकर नव संवत का स्वागत किया गया।

उक्त जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद जिला सह मंत्री सनूप सिंह यदुवंशी ने बताया कि सनातन संस्कृति का नया वर्ष गुड़ी पड़वा चैत्र नवरात्र से प्रारंभ होता है। गुड़ी पड़वा चैत्र नवरात्र हिंदू नवसंवत 2082 के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा प्रात: 10 बजे से स्थानीय पुराने थाने के पीछे स्थित हनुमान मंदिर में भगवान महाबली हनुमान जी की पूजा अर्चना कर महा आरती करते हुए नवसंवत का स्वागत किया एवं स्थानीय जयस्तंभ चौक पर विश्व हिंदू

परिषद प्रांत सह धर्माचार्य संपर्क प्रमुख शिव राठौर जिला उपाध्यक्ष प्रवीण अवस्थी के मार्गदर्शन में चौक पर ढोल बाजों घंटे घड़ियाल शंख बजाकर नव वर्ष का स्वागत किया गया।

गुड़ी पड़वा नव संवत वर्ष प्रतिपदा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री राम जानकी राधा कृष्ण मंदिर महामंडलेश्वर पूज्य अवधेश तिवारी कक्का भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संतोष पारीक नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि शैलेंद्र गोर विश्व हिंदू परिषद जिला उपाध्यक्ष प्रवीण अवस्थी भाजपा वरिष्ट नेता एड अजित सिंह राजपूत समाजसेवी सरिता पांडे समाजसेवी डॉ अजय रघुवंशी समाजसेवी सुनील कलवानी समाजसेवी जगदीश अग्रवाल शेरू सेठ श्री राम जानकी राधा कृष्ण मंदिर सर्वाकार यज्ञेश तिवारी भाजपा नगर उपाध्यक्ष निलेश राठौर आदि की उपस्तिथि में कार्यक्रम में भगवान श्री रामचंद्र हनुमान जी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर नागरिकों को अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने तिलक लगाकर मीठी नीम भेंटकर मीठा ठंडा ठंडाई का वितरण कर सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने नव वर्ष की बधाई शुभकामनाएं दी गई। गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के प्रांत सह धर्माचार्य संपर्क प्रमुख शिव राठौर जिला सह मंत्री सनुप सिंह यदुवंशी जिला उपाध्यक्ष प्रवीण अवस्थी नगर अध्यक्ष डा सौरभ रघुवंशी बानापुरा अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाह नगर सह सेवा प्रमुख सुशील गोहर नगर संयोजक भुरू बग्गन नगर सह संयोजक निक्की राठौर दुर्गावाहिनी नगर प्रभारी चंचल पटवा नगर समरसता प्रमुख रविंद्र छिरेले रामसिंह यादव भूरा रघुवंशी राजेश यदुवंशी नगर धर्माचार्य संपर्क प्रमुख ओम प्रकाश जोशी नगर मिलन केंद्र प्रमुख देव बाथब नगर गोरक्षा सह प्रमुख वीरू गणगौरे नगर उपाध्यक्ष नरेंद्र योगी ग्रामीण उपाध्यक्ष कम्मू गोर राजा गन गोरे प्रद्युम्न बाथब लवी राठौर तरुण सुनानियां भूपेंद्र दरबार मनीष दरबार दिनेश बाथब वीरू गनगोरे भुरू सेन के साथ ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गण नागरिक जन उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा की गई शालाओं में भोजन की गुणवत्ता की जांच

नमूने एकत्रित कर भेजे गए प्रयोगशाला

नर्मदापुरम, निप्र। जिला प्रशासन के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विभिन्न शालाओं में विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन एवं भोजन विनिर्माण स्थलों (किचिनों) का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान गुणवत्तापरक भोजन सामग्री की जांच के लिए तैयार भोजन के नमूने लिए गए।

निरीक्षण में विभिन्न प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित भोजन विनिर्माण स्थलों का दौरा किया गया। इन स्थलों से खाद्य सामग्री, जैसे पूड़ी, पराठा, दाल-सब्जी के नमूने एकत्रित किए गए। जिन समूहों का निरीक्षण किया गया, उनमें शंकर स्वसहायता समूह रेसलपुर, ज्योति स्वसहायता समूह रेसलपुर, पूजा स्वसहायता समूह मिसन खेडा, कावेरी आजीविका स्वसहायता समूह ब्यावरा, सुरभि स्वसहायता समूह इटारसी, रिद्धिसिद्धि स्वसहायता समूह इटारसी, सहेली स्वसहायता समूह इटारसी, जीवनदायनी स्वसहायता समूह इटारसी आदि शामिल हैं।

अब तक कुल 55 तैयार भोजन सामग्री के नमूने एकत्र किए गए हैं और इन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजा जा रहा है। इस कार्यवाही के दौरान मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह राणा एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार द्वारा निरीक्षण और नमूना संग्रह किया गया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा भोपाल- 462023 (म.प्र.) भोपाल से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9981502276, 27054436, 9826735596. भोपाल कार्यालय : 4240007. स्थानीय व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल मो. नं. 9826735596 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।